

قرآن مجید

लफ़्ज़ी तरजुमा

وَمَا مِنْ دَابَّةٍ

पारा - 12

eParah

وَمَا	مِنْ دَابَّةٍ	فِي الْأَرْضِ	إِلَّا	عَلَى اللَّهِ	رَزَقَهَا	وَيَعْلَمُ
और नहीं	कोई जानदार	ज़मीन में	मगर	अल्लाह ही पर है	रिज़क उसका	और वो जानता है
مُسْتَقَرَّهَا	وَمُسْتَوْدَعَهَا ^ط	كُلُّ	فِي كِتَابٍ مُبِينٍ ^⑥			
ठिकाना उसका	और सौंपे जाने की जगह उसकी	सब कुछ	एक वाज़ेह किताब में है			
وَهُوَ	الَّذِي	خَلَقَ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ	فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ	
और वो ही है	जिसने	पैदा किया	आसमानों	और ज़मीन को	छ: दिनों में	
وَكَانَ	عَرْشُهُ	عَلَى الْبَاءِ	لِيَبْلُوكُمْ	أَيُّكُمْ	أَحْسَنُ	عَمَلًا ^ط
और था	अर्श उसका	पानी पर	ताकि वो आजमाए तुम्हें	कौन तुम में से	ज़्यादा अच्छा है	अमल में
وَلَيْنَ	قُلْتَ	إِنَّكُمْ	مَبْعُوثُونَ	مِنْ بَعْدِ	الْمَوْتِ	لَيَقُولَنَّ
और अलबत्ता अगर	कहें आप	बेशक तुम	उठाए जाने वाले हो	बाद	मौत के	अलबत्ता ज़रूर कहेंगे
الَّذِينَ	كَفَرُوا	إِنْ	هَذَا	إِلَّا	سِحْرٌ	مُبِينٌ ^⑦
वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	नहीं	ये	मगर	जादू	खुल्लम-खुल्ला
أَخْرَجْنَا	عَنْهُمْ	الْعَذَابَ	إِلَى أُمَّةٍ	مَعْدُودَةٍ	لَيَقُولَنَّ	مَا
मुअख़्ख़र कर दें हम	इनसे	अज़ाब को	एक मुद्दत तक	शुमार की हुई	अलबत्ता वो ज़रूर कहेंगे	किस चीज़ ने
يَحْبِسُهُ ^ط	أَلَا	يَوْمَ	يَأْتِيهِمْ	لَيْسَ	مَصْرُوفًا	عَنْهُمْ
रोक रखा है उसे	ख़बरदार	जिस दिन	वो आ जाएगा उनके पास	नहीं	फेरा जाएगा	उनसे
وَحَاقَ	بِهِمْ	مَا	كَانُوا	بِهِ	يَسْتَهْزِءُونَ ^⑧	وَلَيْنَ
और घेर लेगा	उन्हें	जो	थे वो	जिसका	वो मज़ाक उड़ाते	और अलबत्ता अगर
الْإِنْسَانَ	مِنَّا	رَحْمَةً	ثُمَّ	نَزَعْنَاهَا	مِنْهُ ^ج	إِنَّهُ
इंसान को	अपनी तरफ़ से	रहमत	फिर	छीन लें हम उसको	उससे	बेशक वो
						अलबत्ता बहुत मायूस होने वाला

كَفُورٌ ⑨	وَلَيْنُ	أَذَقْنَاهُ	نَعْمَاءَ	بَعْدَ	ضَرَاءَ	مَسْتَهْ	لَيَقُولَنَّ
बहुत नाशुका है	और अलबत्ता अगर	चखाएँ हम उसे	आसाइश	बाद	तकलीफ़ के	जो पहुँची उसे	अलबत्ता वो ज़रूर कहेगा
ذَهَبَ	السَّيِّئَاتِ	عَنِّي ط	إِنَّهُ	لَفَرِحَ	فَخُورٌ ⑩	إِلَّا	
दूर हो गई	बुराइयाँ (तकलीफ़ें)	मुझसे	बेशक वो	अलबत्ता बहुत इतराने वाला	बहुत फ़ख़्र करने वाला है	सिवाए	
الَّذِينَ	صَبَرُوا	وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ ط	أُولَئِكَ	لَهُمْ	مَغْفِرَةٌ	
उनके जिन्होंने	सब्र किया	और उन्होंने अमल किए	नेक	यही लोग हैं	उनके लिए है	बख़्शिश	
وَاجِرٌ	كَبِيرٌ ⑪	فَلَعَلَّكَ	تَارِكٌ	بَعْضُ	مَا	يُوحَى	إِلَيْكَ
और अज्र	बहुत बड़ा	तो शायद आप	छोड़ने वाले हैं	बाज़ हिस्सा	उसका जो	वही किया गया	तरफ़ आपके
وَصَاحِقٌ	بِهِ	صَدْرُكَ	أَنْ	يَقُولُوا	لَوْلَا	أُنْزِلَ	عَلَيْهِ
और तंग होने वाला है	साथ इसके	सीना आपका	कि	वो कहेंगे	क्यों नहीं	नाज़िल किया गया	उस पर
كَذَرُ	أَوْ	جَاءَ	مَعَهُ	مَلَكٌ ط	إِنْبَاءٌ	أَنْتَ	نَذِيرٌ ط
कोई ख़ज़ाना	या	आया	साथ उसके	कोई फ़रिश्ता	बेशक	आप तो	डराने वाले हैं
عَلَى	كُلِّ	شَيْءٍ	وَكَيْلٌ ⑫	أَمْ	يَقُولُونَ	افْتَرَاهُ ط	قُلْ
ऊपर	हर	चीज़ के	निगरान है	क्या	वो कहते हैं	इसने गढ़ लिया इसे	कह दीजिए
بِعَشْرِ	سُورٍ	مِثْلِهِ	مُفْتَرِيَةٍ	وَادْعُوا	مَنْ	اسْتَطَعْتُمْ	
दस	सूरतें	मानिंद इसके	गढ़ी हुई	और बुला लो	उन्हें जिनकी	इस्तिताअत रखते हो तुम	
مِنْ دُونِ	اللَّهِ	إِنْ	كُنْتُمْ	صَادِقِينَ ⑬	فَالَمْ	يَسْتَجِيبُوا	
सिवाए	अल्लाह के	अगर	हो तुम	सच्चे	फिर अगर ना	वो जवाब दें	
لَكُمْ	فَاعْلَمُوا	أَنْبَاءَ	أُنْزِلَ	بِعِلْمِ اللَّهِ	وَأَنْ	لَّا	إِلَهَ
तुम्हें	तो जान लो	कि बेशक	ये नाज़िल किया गया है	अल्लाह के इल्म से	और ये कि	नहीं	कोई इलाह (बरहक़)

هُوَ ٥	فَهَلْ	أَنْتُمْ	مُسْلِمُونَ ⑭	مَنْ	كَانَ	يُرِيدُ	الْحَيَاةَ	الدُّنْيَا
वो ही	तो क्या	तुम	इस्लाम लाने वाले हो	जो कोई	है	चाहता	जिंदगी	दुनिया की
وَزَيْنَتَهَا	نُوفٍ	إِلَيْهِمْ	أَعْبَالَهُمْ	فِيهَا	وَهُمْ	فِيهَا		
और ज़ीनत उसकी	हम पूरा-पूरा देंगे	उनके तरफ	उनके आमाल (का अजर)	उसमें	और वो	उसमें		
لَا يُبْخَسُونَ ⑮	أُولَئِكَ	الَّذِينَ	لَيْسَ	لَهُمْ	فِي الْآخِرَةِ	إِلَّا		
ना वो कमी किए जाएंगे	यही लोग हैं	वो जो	नहीं है	उनके लिए	आखिरत में	मगर		
النَّارُ ٦	وَحِطَّ	مَا	صَنَعُوا	فِيهَا	وَبِطْلٌ	مَا	كَانُوا	يَعْمَلُونَ ⑯
आग	और ज़ाया हो गया	जो	उन्होंने किया	उसमें	और बातिल है	जो कुछ	थे वो	वो अमल करते
أَفْسَنْ	كَانَ	عَلَى بَيِّنَةٍ	مِّن رَّبِّهِ	وَيَتْلُوهُ	شَاهِدٌ	مِّنْهُ		
क्या भला वो शख्स जो	हो	एक वाज़ेह दलील पर	अपने रब की तरफ से	और पीछे आता हो उसके	एक गवाह	उसकी तरफ से		
وَمِنْ قَبْلِهِ	كِتَابٌ	مُوسَى	إِمَامًا	وَرَحْمَةً ٧	أُولَئِكَ	يُؤْمِنُونَ		
और इससे पहले थी	किताब	मूसा की	इमाम/रहनुमा	और रहमत	यही लोग हैं	जो ईमान रखते हैं		
بِهِ ٨	وَمَنْ	يَكْفُرُ	بِهِ	مِنَ الْأَحْزَابِ	فَالنَّارُ	مَوْعِدُهُ ٩		
इस पर	और जो कोई	कुफ़ करेगा	इसका	गिरोहों में से	तो आग	उसकी वादागाह है		
فَلَا	تَكُ	فِي مَرِيَةٍ	مِّنْهُ ١٠	إِنَّهُ	الْحَقُّ	مِنْ رَبِّكَ	وَلَكِنَّ	
पस ना	हों आप	किसी शक में	इससे	बेशक वो	हक़ है	आपके रब की तरफ से	और लेकिन	
أَكْثَرَ	النَّاسِ	لَا يُؤْمِنُونَ ⑰	وَمَنْ	أَظْلَمُ	مِّنْ	افْتَرَى		
अक्सर	लोग	नहीं वो ईमान लाते	और कौन	बड़ा ज़ालिम है	उससे जो	गढ़ ले		
عَلَى اللَّهِ	كَذِبًا ١١	أُولَئِكَ	يُعْرَضُونَ	عَلَى رَبِّهِمْ	وَيَقُولُ	الْأَشْهَادُ		
अल्लाह पर	झूठ	यही लोग हैं	जो पेश किए जाएंगे	अपने रब पर	और कहेंगे	गवाह		

هَؤُلَاءِ الَّذِينَ كَذَبُوا عَلَىٰ رَبِّهِمْ ۚ أَلَا لَعْنَةُ اللَّهِ عَلَى الظَّالِمِينَ ﴿١٨﴾	هَؤُلَاءِ	الَّذِينَ	كَذَبُوا	عَلَىٰ رَبِّهِمْ ۚ	أَلَا	لَعْنَةُ اللَّهِ	عَلَى الظَّالِمِينَ ﴿١٨﴾
ये हैं	वो लोग जिन्होंने	झूठ बोला	अपने रब पर	खबरदार	लानत है	अल्लाह की	ज़ालिमों पर
الَّذِينَ يَصُدُّونَ عَنِ سَبِيلِ اللَّهِ وَيَبْغُونَهَا عِوَجًا ۖ وَهُمْ	الَّذِينَ	يَصُدُّونَ	عَنِ سَبِيلِ اللَّهِ	وَيَبْغُونَهَا	عِوَجًا ۖ	وَهُمْ	
वो लोग जो	रोकते हैं	अल्लाह के रास्ते से	और तलाश करते हैं उसमें	टेढ़ापन	और वो		
بِالْآخِرَةِ ۚ هُمْ كَفَرُونَ ﴿١٩﴾ أُولَٰئِكَ لَمْ يَكُونُوا مُعْجِزِينَ فِي الْأَرْضِ	بِالْآخِرَةِ ۚ	هُمْ	كَفَرُونَ ﴿١٩﴾	أُولَٰئِكَ	لَمْ	يَكُونُوا	مُعْجِزِينَ فِي الْأَرْضِ
आखिरत के	वो ही	इंकारी हैं	यही लोग	ना	वो थे	आजिज़ करने वाले	ज़मीन में
وَمَا كَانَ لَهُمْ مِّنْ دُونِ اللَّهِ مِنْ أَوْلِيَاءَ ۚ يُضَعِفُ لَهُمْ	وَمَا كَانَ	لَهُمْ	مِّنْ دُونِ اللَّهِ	مِنْ أَوْلِيَاءَ ۚ	يُضَعِفُ	لَهُمْ	
और नहीं	था	उनके लिए	सिवाए	अल्लाह के	कोई मददगार	दोगुना किया जाएगा	उनके लिए
الْعَذَابُ ۖ مَا كَانُوا يَسْتَطِيعُونَ السَّمْعَ وَمَا كَانُوا يُبْصِرُونَ ﴿٢٠﴾	الْعَذَابُ ۖ	مَا	كَانُوا	يَسْتَطِيعُونَ	السَّمْعَ	وَمَا	كَانُوا يُبْصِرُونَ ﴿٢٠﴾
अज़ाब	ना	थे वो	वो इस्तिताअत रखते	सुनने की	और ना ही	थे वो	वो देखते
أُولَٰئِكَ الَّذِينَ خَسِرُوا أَنفُسَهُمْ وَضَلَّ عَنْهُمْ مَا كَانُوا	أُولَٰئِكَ	الَّذِينَ	خَسِرُوا	أَنفُسَهُمْ	وَضَلَّ	عَنْهُمْ	مَا كَانُوا
यही लोग हैं	जिन्होंने	खसारे में डाला	अपनी जानों को	और गुम हो गया	उनसे	जो कुछ	थे वो
يَفْتَرُونَ ﴿٢١﴾ لَا جَرَمَ أَنَّهُمْ فِي الْآخِرَةِ هُمْ	يَفْتَرُونَ ﴿٢١﴾	لَا جَرَمَ	أَنَّهُمْ	فِي الْآخِرَةِ	هُمْ	الْآخِرُونَ ﴿٢٢﴾	
वो गढ़ा करते	नहीं कोई शक	बेशक वो	आखिरत में	वो ही हैं	जो सबसे ज़्यादा खसारा पाने वाले हैं		
إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَآخَبْتُوا ۖ إِلَىٰ رَبِّهِمْ ۚ	إِنَّ	الَّذِينَ	آمَنُوا	وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ	وَآخَبْتُوا ۖ	إِلَىٰ رَبِّهِمْ ۚ
बेशक	वो जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक	और उन्होंने आजिज़ी की	तरफ़ अपने रब के	
أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْجَنَّةِ ۖ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿٢٣﴾ مَثَلُ الْفَرِيقَيْنِ	أُولَٰئِكَ	أَصْحَابُ	الْجَنَّةِ ۖ	هُمْ	فِيهَا	خَالِدُونَ ﴿٢٣﴾	مَثَلُ الْفَرِيقَيْنِ
यही लोग हैं	साथी	जन्नत के	वो	उसमें	हमेशा रहने वाले हैं	मिसाल	दो गिरोहों की
كَالْأَعْنَىٰ وَالْأَصَمِّ ۖ وَالْبَصِيرِ ۖ وَالسَّيِّعِ ۖ هَلْ يَسْتَوِينَ مَثَلًا ۖ	كَالْأَعْنَىٰ	وَالْأَصَمِّ ۖ	وَالْبَصِيرِ ۖ	وَالسَّيِّعِ ۖ	هَلْ	يَسْتَوِينَ	مَثَلًا ۖ
मानिंद अंधे	और बहरे के है	और देखने वाले	और सुनने वाले के है	क्या	ये दोनों बराबर हो सकते हैं	मिसाल में	

أَفَلَا	تَذَكَّرُونَ 24	وَلَقَدْ	أَرْسَلْنَا	نُوحًا	إِلَى	قَوْمِهِ	إِنِّي
क्या भला नहीं	तुम नसीहत पकड़ते	और अलबत्ता तहकीक़	भेजा हमने	नूह को	तरफ़	उसकी क़ौम के	बेशक मैं
لَكُمْ	نَذِيرٌ	مُبِينٌ 25	أَنْ	لَّا تَعْبُدُوا	إِلَّا	اللَّهَ	إِنِّي
तुम्हारे लिए	डराने वाला हूँ	खुल्लम-खुल्ला	कि	ना तुम इबादत करो	मगर	अल्लाह की	बेशक मैं
أَخَافُ	عَلَيْكُمْ	عَذَابَ	يَوْمِ	الْيَمِّ 26	فَقَالَ	الْبَلَاءُ	الَّذِينَ
मैं डरता हूँ	तुम पर	अज़ाब से	दर्दनाक दिन के	तो कहा	सरदारों ने	जिन्होंने	
كَفَرُوا	مِنْ قَوْمِهِ	مَا	نَرَاكَ	إِلَّا	بَشَرًا	مِّثْلَنَا	وَمَا
कुफ़्र किया था	उसकी क़ौम में से	नहीं	हम देखते तुझे	मगर	एक इंसान	अपने जैसा	और नहीं
نَرَاكَ	اتَّبَعَكَ	إِلَّا	الَّذِينَ	هُمْ	أَرَادْنَا	بَادِيَ	الرَّأْيِ 27
हम देखते तुझे	कि पैरवी की तेरी	मगर	उन लोगों ने जो	वो	कमतार हैं हमसे	बज़ाहिर	देखने में
وَمَا	نَرَى	لَكُمْ	عَلَيْنَا	مِنْ فَضْلٍ	بَلْ	نُظُنُّكُمْ	كَذِبِينَ 27
और नहीं	हम देखते	तुम्हारे लिए	अपने ऊपर	कोई फ़ज़ीलत	बल्कि	हम समझते हैं तुम्हें	झूठे
قَالَ	يَقَوْمِ	أَرَأَيْتُمْ	إِنْ	كُنْتُ	عَلَىٰ بَيِّنَةٍ	مِّن رَّبِّي	
उसने कहा	ऐ मेरी क़ौम	क्या देखा तुमने	अगरचे	हूँ मैं	एक वाज़ेह दलील पर	अपने रब की तरफ़ से	
وَأَتَيْنِي	رَحْمَةً	مِّنْ عِنْدِهِ	فَعَبَّيْتُ	عَلَيْكُمْ	أَنْزَلْتُ	مَكُوهَا	
और उसने दी हो मुझे	रहमत	अपने पास से	फिर वो छुपा दी गई हो	तुम पर	क्या हम लाज़िम कर दें तुम पर उसे		
وَأَنْتُمْ	لَهَا	كَرْهُونَ 28	وَيَقَوْمِ	لَا أَسْأَلُكُمْ	عَلَيْهِ	مَا لَا	إِنْ
जबकि तुम	इसे	नापसंद करने वाले हो	और ऐ मेरी क़ौम	नहीं मैं सवाल करता तुमसे	इस पर	किसी माल का	नहीं
أَجْرِي	إِلَّا	عَلَى اللَّهِ	وَمَا	أَنَا	بِطَارِدٍ	الَّذِينَ	أَمَنُوا
अज़्र मेरा	मगर	अल्लाह पर	और नहीं	मैं	दूर करने वाला	उन्हें जो	ईमान लाए

إِنَّهُمْ	مُلْقُوا	رَبِّهِمْ	وَلَكِنِّي	أَرَاكُمْ	قَوْمًا	تَجْهَلُونَ 29
बेशक वो	मुलाकात करने वाले हैं	अपने रब से	और लेकिन मैं	देखता हूँ तुम्हें	ऐसे लोग	कि तुम जहालत बरत रहे हो
وَيَقُومُ	مَنْ	يَنْصُرُنِي	مِنْ اللَّهِ	إِنْ	طَرَدْتُهُمْ ط	أَفَلَا
और ऐ मेरी क्रौम	कौन	मदद करेगा मेरी	अल्लाह से (बचाने में)	अगर	दूर कर दिया मैंने उन्हें	क्या भला नहीं
تَذَكَّرُونَ 30	وَلَا	أَقُولُ	لَكُمْ	عِنْدِي	خَزَائِنُ	اللَّهِ وَلَا
तुम नसीहत पकड़ते	और नहीं	मैं कहता	तुम्हें	मेरे पास	खज़ाने हैं	अल्लाह के और ना
أَعْلَمُ	الْغَيْبِ	وَلَا	أَقُولُ	إِنِّي	مَلِكٌ	وَلَا أَقُولُ لِلَّذِينَ
मैं जानता हूँ	ग़ैब को	और ना	मैं कहता हूँ	कि मैं	कोई फ़रिश्ता हूँ	और ना मैं कहता हूँ उनके लिए जिन्हें
تَزِدَرِي	أَعْيُنَكُمْ	لَنْ	يُؤْتِيَهُمْ	اللَّهُ	خَيْرًا ط	اللَّهُ أَعْلَمُ
हकीर समझती हैं	निगाहें तुम्हारी	कि हरगिज़ ना	देगा उन्हें	अल्लाह	कोई भलाई	अल्लाह ख़ूब जानता है
بِأَنَّ	فِي أَنْفُسِهِمْ ط	إِنِّي	إِذَا	لَيَنْ الظَّالِمِينَ 31	قَالُوا	يُنُوحُ
उसे जो	उनके नफ़सों में है	बेशक मैं	तब	ज़रूर ज़ालिमों में से हुं गा	उन्होंने कहा	ऐ नूह
قَدْ	جَدَلْتَنَا	فَاكْثَرْتَ	جَدَالَنَا	فَاتِنَا	بِأَنَّ	تَعِدُنَا
तहक़ीक़	झगड़ा किया तूने हमसे	फिर कसरत से किया तूने	झगड़ा हमसे	पस ले आ हमारे पास	वो जिसका	तू वादा देता है हमें
إِنْ	كُنْتَ	مِنَ الصّٰدِقِينَ 32	قَالَ	إِنَّمَا	يَأْتِيَكُمْ بِهِ	اللَّهُ
अगर	है तू	सच्चा में से	उसने कहा	बेशक	लाएगा तुम पर	अल्लाह उसको
إِنْ	شَاءَ	وَمَا	أَنْتُمْ	بِعُجْزِينَ 33	وَلَا	يَنْفَعُكُمْ نَصِحَى
अगर	वो चाहे	और नहीं	तुम	आजिज़ करने वाले	और नहीं	फ़ायदा देगी तुम्हें ख़ैरख्वाही मेरी
إِنْ	أَرَدْتُ	أَنْ	أَنْصَحَ	لَكُمْ	إِنْ	كَانَ
अगर	मैं चाहूँ	कि	मैं ख़ैरख्वाही करूँ	तुम्हारी	अगर	है अल्लाह चाहता

أَنْ يُغْوِيَكُمْ ^ط	هُوَ رَبُّكُمْ ^ق	وَالِيَهُ تَرْجِعُونَ ^ط 34	أَمْ يَقُولُونَ	कि	वो भटका दे तुम्हें	वो	रब है तुम्हारा	और तरफ उसी के	तुम लौटाए जाओगे	क्या	वो कहते हैं				
اِفْتَرَاهُ ^ط	قُلْ	إِنْ	اِفْتَرَيْتَهُ	فَعَلَىٰ	اِجْرَائِي	وَأَنَا	इसने गढ़ लिया है उसे	कह दीजिए	अगर	गढ़ा है मैंने उसे	तो मुझ ही पर है	जुर्म करना मेरा	और मैं		
بَرِّئْتُ ^ع	مِمَّا	تُجْرِمُونَ ^ع 35	وَأُوْحَىٰ	إِلَىٰ نُوحٍ	أَنَّهُ	لَنْ	वरी उज्जिम्मा हूं	उससे जो	तुम जुर्म करते हो	और वही की गई	तरफ नूह के	कि बेशक वो	हरगिज़ ना		
يُؤْمِنَ	مِنْ قَوْمِكَ	إِلَّا	مَنْ	قَدْ	أَمَنَ	فَلَا	ईमान लाएगा	तेरी क़ौम में से	सिवाए	उसके जो	तहकीक	ईमान ला चुका	तो ना	तू शम कर	
بِأَسَا	كَانُوا يَفْعَلُونَ ^ط 36	وَاصْنَعِ	الْفُلْكَ	بِأَعْيُنِنَا	وَوَحِينَا	और हमारी वही के मुताबिक	बवजह उसके जो	हैं वो	वो करते	और तू बना	कशती	हमारी निगाहों के सामने	हमारी निगाहों के सामने	और हमारी वही के मुताबिक	
وَلَا	تُخَاطِبُنِي	فِي الَّذِينَ	ظَلَمُوا ^ه	إِنَّهُمْ	مُغْرَقُونَ ³⁷	और ना	तू मुख़ातिब होना मुझसे	उनके बारे में जिन्होंने	ज़ुल्म किया	बेशक वो	गर्क किए जाने वाले हैं	और ना	तू मुख़ातिब होना मुझसे	उनके बारे में जिन्होंने	
وَيَصْنَعِ	الْفُلْكَ ^ق	وَكُلَّهَا	مَرَّ	عَلَيْهِ	مَلَأَ	مِنْ قَوْمِهِ	سَخِرُوا	और वो बना रहा था	कशती	और जब कभी	गुज़रते	उस पर	सरदार	उसकी क़ौम में से	वो मज़ाक़ करते
مِنْهُ ^ط	قَالَ	إِنْ	تَسْخَرُوا	مِنَّا	فَإِنَّا	نَسْخَرُ	مِنْكُمْ	उससे	वो कहता	अगर	तुम मज़ाक़ करते हो	हमसे	तो बेशक हम भी	हम मज़ाक़ करेंगे	तुमसे
كَمَا	تَسْخَرُونَ ^ط 38	فَسَوْفَ	تَعْلَمُونَ ^ل	مَنْ	يَأْتِيهِ	عَذَابُ	जैसा कि	तुम मज़ाक़ करते हो	पस अनक़रीब	तुम जान लोगे	कौन है जो	आएगा उसके पास	अज़ाब	जैसा कि	तुम मज़ाक़ करते हो
يُخْزِيهِ	وَيَجِلُّ	عَلَيْهِ	عَذَابُ	مُقِيمٌ ³⁹	حَتَّىٰ	إِذَا	جَاءَ	जो रुस्वा कर देगा उसे	और उतरेगा	उस पर	अज़ाब	दाइमी	यहां तक कि	जब	आ गया

أَمْرُنَا	وَفَارَ	التَّنُورُ ٤	قُلْنَا	أَحْبِلْ	فِيهَا	مِنْ كُلِّ	زَوْجَيْنِ
हुकम हमारा	और जोश मारा	तनूर ने	कहा हमने	सवार कर ले	इसमें	हर (क्रिस्म) से	जोड़े
اِثْنَيْنِ	وَأَهْلَكَ	إِلَّا	مَنْ	سَبَقَ	عَلَيْهِ الْقَوْلُ	وَمَنْ	أَمَّنْ ٥
दो (नर, मादा)	और अपने घर वालों को	सिवाए	उसके जो	गुजर चुकी	उस पर	बात	और उनको जो ईमान लाए
وَمَا	أَمَّنْ	مَعَهُ	إِلَّا	قَلِيلٌ ٤٠	وَقَالَ	ارْكَبُوا	فِيهَا
और नहीं	ईमान लाए	साथ उसके	मगर	बहुत थोड़े	और उसने कहा	सवार हो जाओ	इसमें
بِسْمِ	اللَّهِ	مَجْرِبَهَا	وَمُرْسِهَا ٥	إِنَّ	رَبِّي	لَغَفُورٌ	
साथ नाम	अल्लाह के	चलना है इसका	और ठहरना है इसका	बेशक	मेरा रब	अलबत्ता बहुत बख्शने वाला है	
رَّحِيمٌ ٤١	وَهِيَ	تَجْرِي	بِهِمْ	فِي مَوْجٍ	كَالْجِبَالِ ٦	وَنَادَى	
निहायत रहम करने वाला है	और वो	चल रही थी	साथ उनके	मौज/लहर में	पहाड़ों जैसी	और पुकारा	
نُوحٌ	ابْنَهُ	وَكَانَ	فِي مَعَزٍ	يُبْنَى	ارْكَبْ	مَعَنَا	وَلَا
नूह ने	अपने बेटे को	और वो था	अलग जगह में	ऐ मेरे बेटे	सवार हो जाओ	साथ हमारे	और ना
تَكُنْ	مَعَ الْكَافِرِينَ ٤٢	قَالَ	سَأُوْنِي	إِلَى جَبَلٍ	يَعْصِنِي		
तुम हो	साथ काफ़िरों के	वो बोला	अनकरीब मैं पनाह ले लुंगा	तरफ़ एक पहाड़ के	वो बचा लेगा मुझे		
مِنَ الْمَاءِ ٥	قَالَ	لَا عَاصِمَ	الْيَوْمَ	مِنْ أَمْرِ	اللَّهِ	إِلَّا	مَنْ
पानी से	कहा	नहीं कोई बचाने वाला	आज के दिन	हुकम से	अल्लाह के	मगर	जिस पर
رَّحِمَ ٦	وَحَالَ	بَيْنَهُمَا	الْمَوْجُ	فَكَانَ	مِنَ الْمُغْرَقِينَ ٤٣		
वो रहम करे	और हायल हो गई	दर्मियान उन दोनों के	एक मौज	तो हो गया वो	शर्क होने वालों में से		
وَقِيلَ	يَا أَرْضُ	ابْلَعِي	مَاءَكَ	وَيَسْبَأُ	أَقْلِعِي	وَعِضْ	
और कह दिया गया	ऐ ज़मीन	निगल जा	पानी अपना	और ऐ आसमान	थम जा	और खुश्क कर दिया गया	

الْبَاءُ	وَقُضِيَ	الْأَمْرُ	وَأُسْتُوتُ	عَلَى الْجُودِيِّ	وَقِيلَ	بُعْدًا
पानी	और फैसला कर दिया गया	मामले का	और जा ठहरी (कशती)	जूदी पर	और कह दिया गया	दूरी है
لِلْقَوْمِ	الظَّالِمِينَ ④④	وَنَادَى	نُوحٌ	رَبَّهُ	فَقَالَ	رَبِّ
उन लोगों के लिए	जो ज़ालिम हैं	और पुकारा	नूह ने	अपने रब को	तो कहा	ऐ मेरे रब
إِنَّ	ابْنِي	مِنْ أَهْلِي	وَأَنَّ	وَعْدَكَ	الْحَقُّ	وَأَنْتَ
बेशक	मेरा बेटा	मेरे घर वालों में से है	और बेशक	वादा तेरा	सच्चा है	और तू
أَحْكَمُ	الْحَكِيمِينَ ④⑤	قَالَ	يُنُوحُ	إِنَّهُ	لَيْسَ	مِنْ أَهْلِكَ ④
बेहतर हाकिम है	सब हाकिमों से	फरमाया	ऐ नूह	बेशक वो	नहीं है	तेरे घर वालों में से
إِنَّهُ	عَمَلٌ	غَيْرُ	صَالِحٍ ④	فَلَا	تَسْأَلُنِ	مَا
बेशक वो	एक अमल है	ग़ैर	सालेह	तो ना	तू सवाल कर मुझसे	उसका जो
بِهِ	عِلْمٌ ④	إِنِّي	أَعْظُكَ	أَنْ	تَكُونَنَّ	مِنَ الْجَاهِلِينَ ④⑥
जिसका	कोई इल्म	बेशक मैं	मैं नसीहत करता हूँ तुझे	कि	(ना) तू हो जा	जाहिलों में से
قَالَ	رَبِّ	إِنِّي	أَعُوذُ بِكَ	أَنْ	أَسْأَلَكَ	مَا
उसने कहा	ऐ मेरे रब	बेशक मैं	मैं पनाह लेता हूँ तेरी	कि	मैं सवाल करूँ तुझसे	उसका जो
لِي	بِهِ	عِلْمٌ ④	وَالْإِلَّا	تَغْفِرْ لِي	وَتَرْحَمْنِي	أَكُنَّ
मुझे	उसका	कोई इल्म	और अगर ना	तूने बख़्शा मुझे	और (ना) तूने रहम किया मुझ पर	मैं हो जाऊँगा
مِّنَ الْخَسِرِينَ ④⑦	قِيلَ	يُنُوحُ	أَهْبِطْ	بِسَلَامٍ	مِّنَّا	وَبَرَكَاتٍ
ख़सारा पाने वालों में से	कहा गया	ऐ नूह	उतर जा	साथ सलामती के	हमारी तरफ़ से	और बरकतों के
عَلَيْكَ	وَعَلَى أُمَّ	مِّنْ	مَّعَكَ ④	وَأُمُّ	سَنُتَبِّعُهُمْ	
तुझ पर	और जमाअतों पर	उनमें से जो	साथ हैं तेरे	और कई जमाअतें	अनक़रीब हम फ़ायदा देंगे उन्हें	

ثُمَّ	يَسُسُّهُمْ	مِّنَّا	عَذَابٌ	أَلِيمٌ ④8	تِلْكَ	مِنْ أَنْبَاءِ
फिर	पहुंचेगा उन्हें	हमारी तरफ़ से	अज़ाब	दर्दनाक	ये	ख़बरों में से है
الْغَيْبِ	نُوحِيهَا	إِلَيْكَ ٥	مَا	كُنْتَ	تَعْلَمُهَا	أَنْتَ وَلَا
ग़ैब की	हम वही कर रहे हैं उन्हें	तरफ़ आपके	ना	थे आप	आप जानते उन्हें	आप और ना ही
قَوْمَكَ	مِنْ قَبْلِ هَذَا ٦	فَاصْبِرْ ٧	إِنَّ	الْعَاقِبَةَ	لِلْمُتَّقِينَ ④9	ع
क्रौम आपकी	इससे पहले	पस सब्र कीजिए	बेशक	अंजाम	मुत्तक्री लोगों के लिए है	
وَالِى	عَادٍ	أَخَاهُمْ	هُودًا ٨	قَالَ	يَقُومِ	اعْبُدُوا اللَّهَ
और तरफ़	आद के	उनके भाई	हूद को (भेजा)	उसने कहा	ऐ मेरी क्रौम	इबादत करो अल्लाह की
مَا	لَكُمْ	مِّنْ إِلَهٍ	غَيْرُهُ ٩	إِنْ	أَنْتُمْ	إِلَّا مُفْتَرُونَ ⑤0
नहीं	तुम्हारे लिए	कोई इलाह (बरहक़)	उसके सिवा	नहीं	तुम	मगर झूठ गढ़ने वाले
يَقُومِ	لَا	أَسْأَلُكُمْ	عَلَيْهِ	أَجْرًا ١٠	إِنْ	أَجْرِي إِلَّا عَلَى
ऐ मेरी क्रौम	नहीं	मैं सवाल करता तुमसे	इस पर	किसी अज़्र का	नहीं	अज़्र मेरा मगर उस पर
الَّذِى	فَطَرَنِي ١١	أَفَلَا	تَعْقِلُونَ ⑤1	وَيَقُومِ	اسْتَغْفِرُوا	
जिसने	पैदा किया मुझे	क्या फिर नहीं	तुम अक़ल से काम लेते	और ऐ मेरी क्रौम	बख़्शिश माँगो	
رَبِّكُمْ	ثُمَّ	تُوبُوا	إِلَيْهِ	يُرْسِلِ	السَّيَّءِ	عَلَيْكُمْ مِّدْرَارًا
अपने रब से	फिर	तौबा करो	तरफ़ उसके	वो भेजेगा	आसमान को	तुम पर बहुत बरसने वाला
وَيَزِدْكُمْ	قُوَّةً	إِلَى	قُوَّتِكُمْ	وَلَا	تَتَوَلَّوْا	مُجْرِمِينَ ⑤2
और ज़्यादा देगा तुम्हें	कुव्वत	तरफ़	तुम्हारी कुव्वत के	और ना	तुम मुंह फेरो	मुजरिम बन कर उन्होंने कहा
يَهُودُ	مَا	جِئْتَنَا	بِبَيِّنَةٍ	وَمَا	نَحْنُ	بِتَارِكِي
ऐ हूद	नहीं	लाया तू हमारे पास	कोई वाज़ेह दलील	और नहीं हैं	हम	छोड़ने वाले अपने इलाहों को

عَنْ قَوْلِكَ	وَمَا	نَحْنُ	لَكَ	بِؤْمِنِينَ 53	إِنْ	نَقُولُ	إِلَّا
तेरी बात से	और नहीं हैं	हम	तुझ पर	ईमान लाने वाले	नहीं	हम कहते	मगर
اعْتَرَاكَ	بَعْضُ	الِهَتِنَا	بِسُوءٍ ط	قَالَ	إِنِّي	أَشْهَدُ	اللَّهُ
(ये कि) मुब्तिला कर दिया है तुम्हें	बाज़	हमारे इलाहों ने	साथ किसी तकलीफ़ के	उसने कहा	बेशक मैं	मैं गवाह बनाता हूँ	अल्लाह को
وَأَشْهَدُ وَأَ	أَنِّي	بَرِيءٌ	مِمَّا	تُشْرِكُونَ 54	لَا	مِنْ دُونِهِ	
और तुम गवाह रहो	बेशक मैं	बरीउज़्ज़िम्मा हूँ	उनसे जिन्हें	तुम शरीक करते हो		उसके सिवा	
فَكِيدُونِي	جَمِيعًا	ثُمَّ	لَا تُنْظِرُونِ 55	إِنِّي	تَوَكَّلْتُ		
पस चाल चलो मेरे खिलाफ़	सब के सब	फिर	ना तुम मोहलत दो मुझे	बेशक मैं	तवक्कल किया मैंने		
عَلَى اللَّهِ	رَبِّي	وَرَبِّكُمْ ط	مَا	مِنْ دَابَّةٍ	إِلَّا	هُوَ	أَخَذُ
अल्लाह पर	जो रब है मेरा	और रब है तुम्हारा	नहीं	कोई जानदार	मगर	वो	पकड़ने वाला है
بِنَاصِيَتِهَا ط	إِنَّ	رَبِّي	عَلَى صِرَاطٍ	مُسْتَقِيمٍ 56	فَإِنْ	تَوَلَّوْا	
पेशानी उसकी	बेशक	रब मेरा	ऊपर रास्ते	सीधे के है	फिर अगर	तुम मुंह फेरते हो	
فَقَدْ	أَبْلَغْتُكُمْ	مَا	أُرْسِلْتُ	بِهِ	إِلَيْكُمْ ط	وَيَسْتَخْلِفُ	
तो तहक्रीक	पहुंचा दिया मैंने तुम्हें	वो जो	मैं भेजा गया हूँ	साथ उसके	तरफ़ तुम्हारे	और जानशीन बनाएगा	
رَبِّي	قَوْمًا	غَيْرَكُمْ ج	وَلَا	تَضُرُّونَهُ	شَيْئًا ط	إِنَّ	رَبِّي
रब मेरा	एक क़ौम को	तुम्हारे इलावा	और नहीं	तुम नुक़सान दे सकोगे उसे	कुछ भी	बेशक	रब मेरा
عَلَى	كُلِّ	شَيْءٍ	حَفِيطٌ 57	وَلَبَّأ	جَاءَ	أَمْرُنَا	نَجِينَا
ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब निगरान है	और जब	आ गया	फ़ैसला हमारा	निजात दी हमने
وَالَّذِينَ	أَمِنُوا	مَعَهُ	بِرَحْمَةٍ	مِّنَّا ج	وَنَجِيْنُهُمْ		
और उनको जो	ईमान लाए	साथ उसके	साथ रहमत के	हमारी तरफ़ से	और निजात दी हमने उन्हें		

مِنْ عَذَابٍ	غَلِيظٍ ⑤⑧	وَتِلْكَ	عَادٌ ⑤⑨	جَحَدُوا	بِآيَاتِ	رَبِّهِمْ
अज़ाब से	सख़्त	और ये थे	आद	उन्होंने इंकार किया	आयात का	अपने रब की
وَعَصَوْا	رُسُلَهُ	وَاتَّبَعُوا	أَمْرَ	كُلِّ	جَبَّارٍ	عَنِيدٍ ⑤⑨
और उन्होंने नाफ़रमानी की	उसके रसूलों की	और उन्होंने पैरवी की	हुक्म की	हर	सरकश	ज़िद्दी के
وَاتَّبَعُوا	فِي هَذِهِ الدُّنْيَا	لَعْنَةً	وَيَوْمَ	الْقِيَمَةِ ⑥	آلَا	إِنَّ
और उनके पीछे लगा दी गई	इस दुनिया में	लानत	और दिन	क़यामत के (भी)	ख़बरदार	बेशक
عَادًا	كَفَرُوا	رَبَّهُمْ ⑥	آلَا	بُعْدًا	لِعَادٍ	قَوْمٍ
आद ने	कुफ़्र किया	अपने रब का	ख़बरदार	दूरी है	आद के लिए	जो क़ौम थी
وَإِلَى	ثَمُودَ	أَخَاهُمْ	صَلِحًا	قَالَ	يُقَوْمٍ	اعْبُدُوا
और तरफ़	समूद के	उनके भाई	सालेह को (भेजा)	उसने कहा	ऐ मेरी क़ौम	इबादत करो
مَا	لَكُمْ	مِنْ إِلَهٍ	غَيْرُهُ ⑥	هُوَ	أَنْشَأَكُمْ	مِّنَ الْأَرْضِ
नहीं	तुम्हारे लिए	कोई इलाह (बरहक़)	सिवाए उसके	वही है	जिसने पैदा किया तुम्हें	ज़मीन में से
وَاسْتَعْرَضَكُمْ	فِيهَا	فَاسْتَغْفِرُوهُ	ثُمَّ	تُوبُوا	إِلَيْهِ ⑥	إِنَّ
और जिसने आबाद किया तुम्हें	उसमें	पस बछ़िश मांगो उससे	फिर	तौबा करो	तरफ़ उसके	बेशक
رَبِّي	قَرِيبٌ	مُّجِيبٌ ⑥①	قَالُوا	يُصْلِحُ	قَدْ	كُنْتَ
मेरा रब	बहुत करीब है	जवाब देने वाला है	उन्होंने कहा	ऐ सालेह	तहक़ीक़	था तू
فِينَا	مَرْجُوًّا	قَبْلَ	هَذَا	أَتَنْهِنَا	أَنْ	نَعْبُدَ
हमारे दर्मियान	जिससे उम्मीद रखी गई	कबल	इसके	क्या तू रोकता है हमें	कि	हम इबादत करें
يَعْبُدُ	أَبَاءُونَا	وَإِنَّا	لَفِي شَكٍّ	مِّمَّا	تَدْعُونَا	إِلَيْهِ
इबादत करते थे	आबा ओ अजदाद हमारे	और बेशक हम	अलबत्ता शक में हैं	उससे जो	तुम बुलाते हो हमें	तरफ़ उसके

مُرِيبٌ ⑥2	قَالَ	يُقَوْمُ	أَرَعَيْتُمْ	إِنْ	كُنْتُ	عَلَى بَيِّنَةٍ
जो बेचैन कर देने वाला है	उसने कहा	ऐ मेरी कौम	क्या देखा तुमने	अगर	हूँ मैं	एक वाज़ेह दलील पर
مِنْ رَبِّي	وَإِثْنِي	مِنْهُ	رَحْمَةً	فَمَنْ	يَنْصُرُنِي	مِنْ اللَّهِ
अपने रब की तरफ़ से	और उसने दी हो मुझे	अपनी तरफ़ से	रहमत	तो कौन	मदद करेगा मेरी	अल्लाह से (बचाने में)
إِنْ	عَصَيْتُهُ ⑥3	فَمَا	تَزِيدُونَنِي	غَيْرَ	تَخْسِيرٍ ⑥3	وَيُقَوْمُ
अगर	नाफ़रमानी की मैंने उसकी	तो नहीं	तुम ज़्यादा करोगे मुझे	सिवाए	ख़सारा देने के	और ऐ मेरी कौम
هَذِهِ	نَاقَةٌ	اللَّهُ	لَكُمْ	آيَةٌ	فَذَرُوهَا	تَأْكُلُ فِي أَرْضِ
ये	ऊंटनी है	अल्लाह की	तुम्हारे लिए	एक निशानी	पस छोड़ दो उसे	वो खाती फिरे ज़मीन में
اللَّهُ	وَلَا	تَسْؤُوهَا	بِسُوءٍ	فَيَاخُذْكُمْ	عَذَابٌ	قَرِيبٌ ⑥4
अल्लाह की	और ना	तुम छुओ उसे	साथ बुराई के	पस पकड़ लेगा तुम्हें	अज़ाब	क़रीबी
فَعَقَرُوهَا	فَقَالَ	تَسْتَعُوا	فِي دَارِكُمْ	ثَلَاثَةَ	أَيَّامٍ ⑥5	ذَلِكَ
तो उन्होंने कूचें काट डालीं उसकी	तो उसने कहा	तुम फ़ायदा उठाओ	अपने घरों में	तीन	दिन	ये
وَعْدٌ	غَيْرُ	مَكْذُوبٍ ⑥5	فَلَبَّا	جَاءَ	أَمْرُنَا	نَجَيْنَا صِلَحًا
वादा है	ना	झूठा होने वाला	तो जब	आ गया	हुक़म हमारा	निजात दी हमने सालेह को
وَالَّذِينَ	أَمَنُوا	مَعَهُ	بِرَحْمَةٍ	مِّنَّا	وَمِنْ خِزْيٍ	يَوْمَئِذٍ ⑥6
और उनको जो	ईमान लाए	साथ उसके	साथ रहमत के	हमारी तरफ़ से	और रुस्वाई से (भी)	उस दिन की
إِنَّ	رَبَّكَ	هُوَ	الْقَوِيُّ	الْعَزِيزُ ⑥6	وَأَخَذَ	الَّذِينَ
बेशक	रब आपका	वो ही है	बहुत कुव्वत वाला	बहुत ज़बरदस्त	और पकड़ लिया	उन्हें जिन्होंने
ظَلَمُوا الصَّيْحَةَ	فَاصْبَحُوا	فِي دِيَارِهِمْ	جَثِيئِينَ ⑥7	كَانَ	لَمْ	
ज़ुल्म किया	चिंघाड़ ने	तो सुबह की उन्होंने	अपने घरों में	औंधे मुंह गिरने वाले होकर	गोया कि	नहीं

ع 8

يَغْنَوُا فِيهَا ^ط	الَّا	اِنَّ	ثَمُودًا	كَفَرُوا	رَبَّهُمْ ^ط	الَّا	بُعْدًا
वो बसे थे	उसमें	खबरदार	बेशक	समूद ने	कुफ़र किया	अपने रब से	खबरदार
لِّثَمُودَ ^ع 68	وَلَقَدْ	جَاءَتْ	رُسُلُنَا	إِبْرَاهِيمَ	بِالْبُشْرَى		
समूद के लिए	और अलबत्ता तहकीक़	आए	हमारे भेजे हुए (फ़रिश्ते)	इब्राहीम के पास	साथ खुशख़बरी के		
قَالُوا سَلَامًا ^ط	قَالَ	سَلَمٌ	فَمَا	لَيْتَ	أَنْ	جَاءَ	بِعِجْلٍ
उन्होंने कहा	सलाम हो	उसने कहा	सलाम हो	पस ना	वो ठहरा	मगर	वो ले आया
حَنِيدٌ ⁶⁹	فَلَبَّا	رَأَى	أَيْدِيَهُمْ	لَا تَصِلُ	إِلَيْهِ	نَكَرَهُمْ	
भुना हुआ	फिर जब	उसने देखा	हाथ उनके	नहीं वो पहुंचते	तरफ़ उसके	उसने अजनबी समझा उन्हें	
وَأَوْجَسَ مِنْهُمْ خِيفَةً ^ط	قَالُوا	لَا تَخَفْ	إِنَّا	أَرْسَلْنَا			
और उसने महसूस किया	उनसे	ख़ौफ़	उन्होंने कहा	ना तुम डरो	बेशक हम	भेजे गए हैं हम	
إِلَى قَوْمٍ لُّوْطٍ ⁷⁰	وَأَمْرَاتُهُ	قَائِمَةٌ	فَضَحِكَتْ	فَبَشَّرْنَاهَا			
तरफ़ कौम	लूत के	और बीवी उसकी	खड़ी थी	तो वो हंस दी	पस खुशख़बरी दी हमने उसे		
بِإِسْحَاقَ ^ل	وَمِنْ وَرَاءِ	إِسْحَاقَ	يَعْقُوبَ ⁷¹	قَالَتْ	يُوَيْلَتَى		
इसहाक की	और पीछे/बाद	इसहाक के	याक़ूब की	वो कहने लगी	ऐ ख़राबी मेरी		
ءَالِدٌ	وَأَنَا	عَجُوزٌ	وَهَذَا	بَعْلِي	شَيْخًا ^ط	إِنَّ	هَذَا
क्या मैं जन्म दूंगी	जबकि मैं	बुढ़िया हूं	और ये	शौहर मेरा	बूढ़ा है	बेशक	ये तो
لَشَيْءٍ عَجِيبٌ ⁷²	قَالُوا	أَتَعْجَبِينَ	مِنْ أَمْرِ	اللّٰهِ	رَحْمَتُ		
अलबत्ता चीज़ है	अजीब	उन्होंने कहा	क्या तू ताअज्जुब करती है	हुक्म से	अल्लाह के	रहमत हो	
اللّٰهُ	وَبَرَكَتُهُ	عَلَيْكُمْ	أَهْلَ الْبَيْتِ ^ط	إِنَّهُ	حَسِيدٌ	مَّجِيدٌ ⁷³	
अल्लाह की	और बरकतें हों उसकी	तुम पर	ऐ अहले बैत	बेशक वो	बहुत तारीफ़ वाला है	बड़ी शान वाला है	

فَلَمَّا	ذَهَبَ	عَنْ إِبْرَاهِيمَ	الرَّوْعُ	وَجَاءَتْهُ	الْبُشْرَى
तो जब	चला गया	इब्राहीम से	खौफ़	और आ गई उसके पास	खुशखबरी
يُجَادِلُنَا	فِي قَوْمِ لُوطٍ 74	إِنَّ	إِبْرَاهِيمَ	لَحَلِيمٌ	أَوَاهُ
वो झगड़ने लगा हमसे	क़ौमे लूत के बारे में	बेशक	इब्राहीम	बिलाशुबह निहायत बुर्दवार	बहुत आह व ज़ारी करने वाला
مُنِيبٌ 75	يَا إِبْرَاهِيمُ	أَعْرِضْ	عَنْ هَذَا	إِنَّهُ	قَدْ جَاءَ أَمْرٌ
रुजुअ करने वाला था	ऐ इब्राहीम	ऐराज़ करो	इस (बात) से	बेशक वो	तहकीक़
आ चुका	हुक़म				
رَبِّكَ 76	وَأَنَّهُمْ	أَتَتْهُمْ	عَذَابٌ	غَيْرُ	مَرْدُودٍ 76
तेरे रब का	और बेशक वो	आने वाला है उन पर	अज़ाब	ना	फेरा जाने वाला
और जब	आए				
رُسُلَنَا	لُوطًا	سَيِّئٌ	بِهِمْ	وَضَاقَ	بِهِمْ
हमारे भेजे हुए (फरिश्ते)	लूत के पास	वो ग़मगीन हुआ	उनके बारे में	और वो तंग हुआ	उनके बारे में
दिल में					
وَقَالَ	هَذَا	يَوْمٌ	عَصِيبٌ 77	وَجَاءَهُ	قَوْمُهُ
और कहा	ये	दिन है	बड़ा सख़्त	और आए उसके पास	उसकी क़ौम (के लोग)
تَهْجُرُونَ	يُهْرَعُونَ				
तैज़ दौड़ते हुए					
إِلَيْهِ 78	وَمِنْ قَبْلُ	كَانُوا	يَعْمَلُونَ	السَّيِّئَاتِ 78	قَالَ
तरफ़ उसके	और इससे पहले	थे वो	वो अमल करते	बुरे	उसने कहा
ऐ मेरी क़ौम	ये हैं				
بَنَاتِي	هُنَّ	أَطْهَرُ	لَكُمْ	فَاتَّقُوا	اللَّهَ
बेटियां मेरी	ये	ज़्यादा पाकीज़ा हैं	तुम्हारे लिए	पस डरो	अल्लाह से
और ना	तुम रुस्वा करो मुझे				
فِي ضَيْفِي 79	أَلَيْسَ	مِنْكُمْ	رَجُلٌ	رَشِيدٌ 79	قَالُوا
मेरे मेहमानों में	क्या नहीं है	तुम में	कोई आदमी	समझदार	उन्होंने कहा
अलबत्ता तहकीक़					
عَلِمْتَ	مَا	لَنَا	فِي بَنَاتِكَ	مِنْ حَقٍّ 80	وَإِنَّكَ
तू जानता है	नहीं	हमारे लिए	तेरी बेटियों में	कोई हक़ (दिलचस्पी)	और बेशक तू
जो					
لَتَعْلَمَ	مَا				
अलबत्ता तू जानता है					

نُرِيدُ 79	قَالَ	لَوْ	أَنَّ	لِي	بِكُمْ	قُوَّةٌ	أَوْ	أَوْيَ
हम चाहते हैं	उसने कहा	काश	कि बेशक	मेरे लिए (होती)	तुम पर	कोई कुव्वत	या	मैं पनाह ले सकता
إِلَى رُكْنٍ	شَدِيدٍ 80	قَالُوا	يَلُوطُ	إِنَّا	رُسُلُ	رَبِّكَ		
तरफ़ सहारे	मज़बूत के	उन्होंने कहा	ऐ लूत	बेशक हम	भेजे हुए हैं	तेरे रब के		
لَنْ	يَصِلُوا	إِلَيْكَ	فَاسِرٍ	بَاهِلِكَ	بِقِطْعٍ	مِّنَ اللَّيْلِ	وَلَا	
हरगिज़ ना	वो पहुंच सकेंगे	तुझ तक	पस ले चल	अपने घर वालों को	एक टुकड़े में	रात के	और ना	
يَلْتَفِتُ	مِنْكُمْ	أَحَدٌ	إِلَّا	أَمْرَاتِكَ ٦	إِنَّهُ	مُصِيبُهَا	مَا	
पलट कर देखे	तुम में से	कोई एक	मगर	बीवी तुम्हारी	बेशक वो	पहुंचने वाला है उसे (भी)	जो	
أَصَابَهُمْ ٦	إِنَّ	مَوْعِدَهُمْ	الصُّبْحُ ٦	الْيَسَّ	الصُّبْحُ	بِقَرِيبٍ 81		
पहुंचेगा उन्हें	बेशक	उनके वादे का वक़्त	सुबह है	क्या नहीं है	सुबह	करीब ही		
فَلَمَّا	جَاءَ	أَمْرُنَا	جَعَلْنَا	عَالِيَهَا	سَافِلَهَا	وَأَمْطَرْنَا		
तो जब	आ गया	हुक़्म हमारा	कर दिया हमने	ऊपर वाला उसका	निचला उसका	और बरसाए हमने		
عَلَيْهَا	حِجَارَةً	مِّنْ سِجِّيلٍ ٧	مَنْضُودٍ 82	مُسَوَّمَةً	عِنْدَ			
उस पर	पत्थर	कंकर में से	तह-ब-तह	निशानज़दा	पास से			
رَبِّكَ ٦	وَمَا	هِيَ	مِنَ الظَّالِمِينَ	بَبَعِيدٍ 83	وَالِى	مَدَيْنَ		
आपके रब के	और नहीं	वो	ज़ालिमों से	कुछ दूर	और तरफ़	मदयन के		
أَخَاهُمْ	شُعَبًا ٦	قَالَ	يُقَوْمٍ	اعْبُدُوا	اللَّهُ	مَا	لَكُمْ	
उनके भाई	शुऐब को (भेजा)	उसने कहा	ऐ मेरी क्रौम	इबादत करो	अल्लाह की	नहीं	तुम्हारे लिए	
مِّنْ إِلَهِ	غَيْرُهُ ٦	وَلَا	تَنْقُصُوا	الْبِكْيَالَ	وَالْبِيزَانَ	إِنِّي		
कोई इलाह (बरहक)	सिवाए उसके	और ना	तुम कम करो	नाप	और तौल	बेशक मैं		

أَرَأَيْتُمْ	بَخِيرٍ	وَإِنِّي	أَخَافُ عَلَيْكُمْ	عَذَابَ	يَوْمٍ مُّحِيطٍ ⑧4
मैं देखता हूं तुम्हें	अच्छी हालत में	और बेशक मैं	मैं डरता हूं	तुम पर	अज्ञाब से
وَيَقُومُ	أَوْفُوا	الْبُكْيَالَ	وَالْبِيزَانَ	بِالْقِسْطِ	وَلَا تَبْخَسُوا
और ऐ मेरी कौम	पूरा करो	नाप	और तौल	साथ इंसाफ़ के	और ना
النَّاسَ	أَشْيَاءَهُمْ	وَلَا	تَعْتَوُوا	فِي الْأَرْضِ	مُفْسِدِينَ ⑧5
लोगों को	चीज़ें उनकी	और ना	तुम फ़साद करो	ज़मीन में	मुफ़सिद बन कर
بَقِيَّتُ	اللّٰهِ	خَيْرٌ	لَّكُمْ	إِنْ	كُنْتُمْ
बाक़ी मांदा	अल्लाह का	बेहतर है	तुम्हारे लिए	अगर	हो तुम
عَلَيْكُمْ	بِحَفِيفٍ ⑧6	قَالُوا	يُشْعِبُ	أَصْلُوتُكَ	تَأْمُرُكَ
तुम पर	कोई निगहबान	उन्होंने कहा	ऐ शुऐब	क्या नमाज़ तेरी	हुक़्म देती है तुझे
نَتْرُكَ	مَا	يَعْبُدُ	أَبَاؤُنَا	أَوْ	أَنْ
हम छोड़ दें	उन्हें जिनकी	इबादत करते थे	आबा ओ अजदाद हमारे	या	ये कि
مَا	نَشَاءُ ⑧7	إِنَّكَ	لَأَنْتَ	الْحَلِيمُ	الرَّشِيدُ ⑧7
जो	हम चाहें	बेशक तू	अलबत्ता तू ही है	निहायत बुर्दबार	समझदार
أَرَأَيْتُمْ	إِنْ	كُنْتُ	عَلَىٰ بَيِّنَةٍ	مِّن رَّبِّي	وَرَزَقْنِي
क्या देखा तुमने	अगर	हूं मैं	एक वाज़ेह दलील पर	अपने रब की तरफ़ से	और उसने दिया हो मुझे
رِزْقًا	حَسَنًا ⑧8	وَمَا	أُرِيدُ	أَنْ	أُخَالِفَكُمْ
रिज़क़	अच्छा	और नहीं	मैं चाहता	कि	मैं मुख़ालिफ़त तुम्हारी करूं
عَنْهُ ⑧9	إِنْ	أُرِيدُ	إِلَّا	الْإِصْلَاحَ	مَا
जिस से	नहीं	मैं चाहता	मगर	इस्लाह	जितनी
وَمَا	أَسْتَطَعْتُ ⑧9	وَمَا	أَسْتَطَعْتُ ⑧9	وَمَا	وَمَا
और नहीं	मैं इस्तिताअत रखता हूं	जितनी	इस्लाह	मगर	मैं चाहता

تَوَفِّيقِي	إِلَّا	بِاللَّهِ ط	عَلَيْهِ	تَوَكَّلْتُ	وَالِيهِ	أُنِيبُ 88
तौफ़ीक मेरी	मगर	साथ अल्लाह के	उसी पर	तवक़ल किया मैंने	और उसी की तरफ़	मैं रुजूअ करता हूँ
وَيَقُومُ	لَا يَجْرِمَنَّكُمْ	شِقَاقِي	أَنْ	يُصِيبَكُمْ	مِثْلُ	مَا
और ऐ मेरी क़ौम	हरगिज़ ना आमादा करे तुम्हें	ज़िद/मुख़ालिफ़त मेरी	कि	पहुँचे तुम्हें (भी)	मानिद इसके	जो
أَصَابَ	قَوْمَ نُوحٍ	أَوْ قَوْمَ هُودٍ	أَوْ قَوْمَ صَالِحٍ ط	وَمَا		
पहुँचा	क़ौमे	नूह को	या	क़ौमे	हूद को	या
قَوْمَ لُوطٍ	مِّنْكُمْ	بِعَبِيدِ 89	وَاسْتَغْفِرُوا	رَبَّكُمْ	ثُمَّ	تُوبُوا
क़ौमे	लूत	तुमसे	कुछ दूर	और बख़्शिश मांगो	अपने रब से	फिर
إِلَيْهِ ط	إِنَّ رَبِّي	رَحِيمٌ	وَدُودٌ 90	قَالُوا	يُشْعِبُ	مَا
तरफ़ उसके	बेशक	मेरा रब	निहायत रहम करने वाला है	बहुत मोहब्बत करने वाला है	उन्होंने कहा	ऐ शुऐब
نَفَقَهُ	كَثِيرًا	مِّمَّا	تَقُولُ	وَإِنَّا	لَنَرُكَ	فِيْنَا ضَعِيفًا ه
हम समझ पाते	बहुत सा	उसमें से जो	तुम कहते हो	और बेशक हम	अलबत्ता हम देखते हैं तुझे	अपने में
وَلَوْ لَا	رَهْطُكَ	لَرَجَمْنَاكَ	وَمَا	أَنْتَ	عَلَيْنَا	بِعَزِيزٍ 91
और अगर ना होता	क़बीला तेरा	अलबत्ता संगसार कर देते हम तुझे	और नहीं	तू	हम पर	कुछ ग़ालिब
قَالَ	يَقُومُ	أَرْهَطِي	أَعِزُّ	عَلَيْكُمْ	مِّنَ اللَّهِ ط	وَاتَّخَذْتُوهُ
उसने कहा	ऐ मेरी क़ौम	क्या क़बीला मेरा	ज़्यादा ज़ोर वाला है	तुम पर	अल्लाह से	और बना लिया तुमने उसे
وَرَأَيْكُمْ	ظَهْرِيًّا ط	إِنَّ رَبِّي	بِهَا	تَعْمَلُونَ	مُحِيطٌ 92	
पीछे अपनी	पुश्त के	बेशक	मेरा रब	उसे जो	तुम अमल करते हो	घेरे हुए है
وَيَقُومُ	اعْمَلُوا	عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ	إِنِّي	عَامِلٌ ط	سَوْفَ	
और ऐ मेरी क़ौम	अमल करो	अपनी जगह पर	बेशक मैं	अमल करने वाला हूँ	अनक़रीब	

تُعْلَمُونَ ^ل	مَنْ	يَأْتِيهِ	عَذَابٌ	يُخْزِيهِ	وَمَنْ	هُوَ
तुम जान लोगे	कौन है कि	आता है उस पर	अज़ाब	जो रुस्वा कर देगा उसे	और कौन है	वो जो
كَاذِبٌ ^ط	وَأَرْتَقِبُوا	إِنِّي	مَعَكُمْ	رَقِيبٌ ⁹³	وَلَبَّا	جَاءَ
झूठा है	और इंतज़ार करो	बेशक मैं	साथ तुम्हारे	इंतज़ार करने वाला हूं	और जब	आ गया
أَمْرُنَا	نَجَّيْنَا	شُعَيْبًا	وَالَّذِينَ	أَمَنُوا	مَعَهُ	بِرَحْمَةٍ
फ़ैसला हमारा	निजात दी हमने	शुऐब को	और उनको जो	ईमान लाए	साथ उसके	साथ रहमत के
مِّنَّا	وَأَخَذَتِ	الَّذِينَ	ظَلَمُوا	الصَّيْحَةَ	فَأَصْبَحُوا	
अपनी तरफ़ से	और पकड़ लिया	उनको जिन्होंने	ज़ुल्म किया था	चिंघाड़ ने	तो उन्होंने सुबह की	
فِي دِيَارِهِمْ	جَثِيئِينَ ⁹⁴	كَانَ	لَمْ	يَغْنُوا	فِيهَا ^ط	أَلَا
अपने घरों में	औंधे मुंह पड़े हुए	गोया कि	ना	वो बसे थे	उनमें	ख़बरदार
بُعْدًا	لِّبَدَيْنَ	كَمَا	بَعْدَتْ	ثُبُودٌ ⁹⁵	وَلَقَدْ	أَرْسَلْنَا
दूरी है	मदयन के लिए	जैसा कि	दूर हुए	समूद	और अलबत्ता तहकीक	भेजा हमने
مُوسَى	بِأَيَّتِنَا	وَسُلْطٰنٍ	مُّبِينٍ ⁹⁶	إِلَىٰ فِرْعَوْنَ	وَمَلَائِيهِ	
मूसा को	साथ अपनी आयात के	और दलील	वाज़ेह के	तरफ़ फ़िरऔन	और उसके सरदारों के	
فَاتَّبَعُوا	أَمْرَ	فِرْعَوْنَ ^ج	وَمَا	أَمْرُ	فِرْعَوْنَ	بِرَشِيدٍ ⁹⁷
तो उन्होंने पैरवी की	हुक़म की	फ़िरऔन के	और ना (था)	हुक़म	फ़िरऔन का	भलाई वाला
يَقْدُمُ	قَوْمَهُ	يَوْمَ	الْقِيَمَةِ	فَأَوْرَدَهُمْ	النَّارَ ^ط	وَبِئْسَ
वो आगे होगा	अपनी क़ौम के	दिन	क़यामत के	फिर ले आएगा उन्हें	आग पर	और कितनी बुरी है
الْوَرْدُ	الْمُورِدُ ⁹⁸	وَأُتْبِعُوا	فِي هَذِهِ	لَعْنَةً	وَيَوْمَ	الْقِيَمَةِ ^ط
घाट	जो वारिद होने की जगह है	और वो पीछे लगाए गए	इस (दुनिया) में	लानत	और दिन	क़यामत के (भी)

بِئْسَ	الرِّفْدُ	الرَّفُودُ 99	ذَلِكَ	مِنْ أَنْبَاءِ	الْقُرَى	نَقْصُهُ
कितना बुरा है	इनाम	जो दिया गया	ये	कुछ खबरें हैं	बस्तियों की	हम बयान करते हैं उन्हें
عَلَيْكَ	مِنْهَا	قَائِمٌ	وَحَصِيدٌ 100	وَمَا	ظَلَمْنَاهُمْ	وَلَكِنْ
आप पर	उनमें से	कुछ कायम हैं	और कुछ जड़ से कट चुकी हैं	और नहीं	जुल्म किया हमने उन पर	और लेकिन
ظَلَمُوا	أَنْفُسَهُمْ	فَبَا	أَخْنَتُ	عَنْهُمْ	الِهَتُهُمْ	الَّتِي
उन्होंने जुल्म किया	अपने नफ़्सों पर	तो ना	काम आए	उन्हें	इलाह उनके	जिन्हें
يَدْعُونَ	مِنْ دُونِ	اللَّهِ	مِنْ شَيْءٍ	لَبَّا	جَاءَ	أَمْرُ رَبِّكَ ط
वो पुकारते थे	सिवाए	अल्लाह के	कुछ भी	जब	आ गया	हुक्म आपके रब का
وَمَا	زَادُوهُمْ	غَيْرَ	تَتَّبِيبٍ 101	وَكَذَلِكَ	أَخَذُ	رَبِّكَ
और नहीं	उन्होंने ज़्यादा किया उन्हें	सिवाए	हलाकत के	और इसी तरह	पकड़ है	आपके रब की
إِذَا	أَخَذَ	الْقُرَى	وَهِيَ	ظَالِمَةٌ ط	إِنَّ	أَخَذَاهُ أَلِيمٌ
जब	वो पकड़ता है	बस्तियों को	जब कि वो	ज़लम होती हैं	बेशक	पकड़ना उसका दर्दनाक है
شَدِيدٌ 102	إِنَّ	فِي ذَلِكَ	لَايَةً	لِّسُنْ	خَافَ	عَذَابَ
शदीद है	बेशक	इसमें	अलबत्ता एक निशानी है	उसके लिए जो	डरे	अज़ाब से
الْآخِرَةِ ط	ذَلِكَ	يَوْمٌ	مَجْجُوعٌ ١	لَهُ	النَّاسُ	وَذَلِكَ يَوْمٌ
आखिरत के	ये है	दिन	जमा किए जाएंगे	इसके लिए	लोग	और ये है दिन
مَّشْهُودٌ 103	وَمَا	نُؤَخِّرُهُ	إِلَّا	لِأَجَلٍ	مَّعْدُودٍ 104	يَوْمٌ
हाज़िरी का	और नहीं	हम मुअ़ख़्ख़र कर रहे उसे	मगर	एक मुदत के लिए	गिनी चुनी	जिस दिन
يَاتِ	لَا تَكَلَّمُ	نَفْسٌ	إِلَّا	بِإِذْنِهِ ٢	فِيْنَهُمْ	شَقِيٌّ
वो आ जाएगी	ना कलाम करेगा	कोई नफ़्स	मगर	उसके इज़न से	तो इनमें से कोई	बदबख़्त होगा

وَسَعِيدٌ ⑩⑤	فَأَمَّا	الَّذِينَ	شَقُّوا	فَفِي النَّارِ	لَهُمْ	فِيهَا
और कोई नेकबख्त होगा	तो रहे	वो लोग जो	बदबख्त हुए	तो आग में होंगे	उनके लिए	उसमें
زَفِيرٌ	وَشَهِيقٌ ⑩⑥	خُلْدَيْنِ	فِيهَا	مَا دَامَتْ	السَّمَوَاتُ	
चीख व पुकार होगी	और दहाड़ना होगा	हमेशा रहने वाले हैं	उसमें	जब तक कायम हैं	आसमान	
وَالْأَرْضُ	إِلَّا	مَا	شَاءَ	رَبُّكَ ٭	إِنَّ	رَبَّكَ
और ज़मीन	मगर	जो	चाहे	रब आपका	बेशक	रब आपका
لَهَا	يُرِيدُ ⑩⑦	وَأَمَّا	الَّذِينَ	سُعِدُوا	فَفِي الْجَنَّةِ	خُلْدَيْنِ
उसे जो	वो चाहता है	और रहे	वो लोग जो	नेकबख्त हुए	तो जन्नत में होंगे	हमेशा रहने वाले हैं
فِيهَا	مَا دَامَتْ	السَّمَوَاتُ	وَالْأَرْضُ	إِلَّا	مَا	شَاءَ
इसमें	जब तक कायम है	आसमान	और ज़मीन	मगर	जो	चाहे
رَبُّكَ ٭	عَطَاءٌ	غَيْرَ	مَجْدُودٍ ⑩⑧	فَلَا	تَكُ	فِي مَرِيَةٍ
रब आपका	बख्शिश है	ना	ख़त्म होने वाली	पस ना	हों आप	शक में
مِمَّا	يَعْبُدُ	هَؤُلَاءِ ٭	مَا	يَعْبُدُونَ	إِلَّا	كَمَا
उससे जिसकी	इबादत करते हैं	ये लोग	नहीं	वो इबादत करते	मगर	जैसा कि
أَبَاؤُهُمْ	مِنْ قَبْلُ ٭	وَإِنَّا	لَنُوفِّهُمْ	نَصِيبَهُمْ	غَيْرَ	
आबा ओ अजदाद उनके	इससे पहले	और बेशक हम	अलबत्ता पूरा-पूरा देने वाले हैं उन्हें	हिस्सा उनका	बग़ैर	
مَنْقُوصٍ ⑩⑨	وَلَقَدْ	آتَيْنَا	مُوسَى	الْكِتَابَ	فَاخْتَلَفَ	فِيهِ ٭
कमी किए	और अलबत्ता तहकीक	दी हमने	मूसा को	किताब	पस इख़िलाफ़ किया गया	उसमें
وَلَوْ لَا	كَلِمَةٌ	سَبَقَتْ	مِنْ رَبِّكَ	لَقُضِيَ	بَيْنَهُمْ ٭	
और अगर ना होती	एक बात	जो गुज़र चुकी	आपके रब की तरफ़ से	अलबत्ता फ़ैसला कर दिया जाता	दर्मियान उनके	

وَأَنَّهُمْ لَفِي شَكٍّ مِّنْهُ مُرِيبٍ ⑪	وَأَنَّ كُلًّا	لَّهَا
और बेशक वो	हर एक को	जब (वक्ता आएगा)
لِيُوفِيَنَّهُمْ رَبُّكَ أَعْمَالَهُمْ ②	إِنَّهُ	بِمَا يَعْمَلُونَ
अलबत्ता ज़रूर पूरा-पूरा देगा उन्हें	बेशक वो	उससे जो
خَيْرٌ ③	فَأَسْتَقِمْ كَمَا	أَمَرْتَ وَمَنْ تَابَ مَعَكَ
खूब बाख़बर है	पस कायम रहिए	जैसा कि
وَلَا تَطْغَوْا ④	إِنَّهُ	بِمَا تَعْمَلُونَ
और ना	तुम सरकशी करो	उसे जो
تَرْكَنُوا إِلَى الَّذِينَ ظَلَمُوا فَتَمَسَّكُمُ النَّارُ ⑤	وَمَا	وَمَا
तुम झुको/माइल हो	तरफ़ उनके जिन्होंने	जुल्म किया
لَكُمْ مِّنْ دُونِ اللَّهِ مِنْ أَوْلِيَآءَ ثُمَّ لَا تُتَصَرَّوْنَ ⑥	وَأَقِمِ	وَأَقِمِ
तुम्हारे लिए	सिवाए	अल्लाह के
الصَّلَاةَ طَرَفِي النَّهَارِ وَزُلْفًا مِّنَ اللَّيْلِ ⑦	إِنَّ	الْحَسَنَاتِ
नमाज़	दोनों किनारों पर	दिन के
يُذْهِبْنَ السَّيِّئَاتِ ⑧	ذَلِكَ	ذِكْرِي
ले जाती हैं	ये	याददिहानी है
اللَّهُ لَا يُضِيعُ أَجْرَ الْمُحْسِنِينَ ⑨	فَلَوْ لَا	كَانَ
अल्लाह	अज़्र	एहसान करने वालों का
مِنْ قَبْلِكُمْ	أُولَٰئِكَ بَقِيَّةٌ	يَنْهَوْنَ
जो तुमसे पहले थीं	अंजाम पर नज़र रखने वाले	जो रोकते
عَنِ الْفَسَادِ	فِي الْأَرْضِ	إِلَّا
फ़साद से	ज़मीन में	मगर

قَلِيلًا	مِمَّنْ	أَنْجَيْنَا	مِنْهُمْ ٢	وَاتَّبَعَ	الَّذِينَ	ظَلَمُوا
बहुत थोड़े	उनमें से जिन्हें	निजात दी हमने	उनमें से	और पीछे लगे	वो जिन्होंने	जुल्म किया
مَا	أُتْرِفُوا	فِيهِ	وَكَانُوا	مُجْرِمِينَ 116	وَمَا	كَانَ
उसके जो	वो ऐश व आराम दिए गए थे	जिसमें	और थे वो	मुजरिम	और नहीं	है
رَبِّكَ	لِيُهْلِكَ	الْقُرَى	بِظُلْمٍ	وَأَهْلِهَا	مُصْلِحُونَ 117	
रब आपका	कि वो हलाक कर दे	बस्तियों को	जुल्म से	जबकि बाशिंदे उसके	इस्लाह करने वाले हों	
وَلَوْ	شَاءَ	رَبُّكَ	لَجَعَلَ	النَّاسَ	أُمَّةً	وَاحِدَةً
और अगर	चाहता	रब आपका	अलबत्ता वो बना देता	लोगों को	उम्मत	एक ही
وَلَا يَزَالُونَ	مُخْتَلِفِينَ 118	إِلَّا	مَنْ	رَّحِمَ	رَبُّكَ ٣	وَلِذَلِكَ
जबकि वो हमेशा रहेंगे	इख्तिलाफ़ करने वाले	मगर	जिस पर	रहम करे	रब आपका	और इसी लिए
خَلَقَهُمْ ٤	وَتَتَّ	كَلِمَةً	رَبِّكَ	لَأَمْلَأَنَّ	جَهَنَّمَ	
उसने पैदा किया इन्हें	और पूरी हो गई	बात	आपके रब की	अलबत्ता में ज़रूर भरदूंगा	जहन्नम को	
مِنَ الْجِنَّةِ	وَالنَّاسِ	أَجْمَعِينَ 119	وَكُلًّا	نَقُصُّ	عَلَيْكَ	
जिन्नों से	और इंसानों से	सब के सब	और सब कुछ	हम बयान करते हैं	आप पर	
مِنْ أَنْبَاءِ	الرُّسُلِ	مَا	نُثِّتُ	بِهِ	فُؤَادَكَ ٥	وَجَاءَكَ
बाज़ ख़बरें	रसूलों की	वो जो	हम मज़बूत करते हैं	साथ इसके	आपके दिल को	और आ गया आपके पास
فِي هَذِهِ	الْحَقُّ	وَمَوْعِظَةٌ	وَذِكْرٌ	لِّلْمُؤْمِنِينَ 120	وَقُلْ	
उसमें	हक़	और नसीहत	और याददिहानी	ईमान लाने वालों के लिए	और कह दीजिए	
لِّلَّذِينَ	لَا يُؤْمِنُونَ	اعْمَلُوا	عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ ٦	إِنَّا	عَمِلُونَ 121	
उन लोगों को जो	नहीं वो ईमान लाते	अमल करो	अपनी जगह पर	बेशक हम (भी)	अमल करने वाले हैं	

وَأَنْتَظِرُوا ^ج	إِنَّا	مُنْتَظِرُونَ ¹²²	وَاللَّهُ	غَيْبُ	السَّهَوَاتِ
और इंतज़ार करो	बेशक हम (भी)	इंतज़ार करने वाले हैं	और अल्लाह ही के लिए है	ग़ैब	आसमानों का

وَالْأَرْضِ	وَالْيِهِ	يُرْجَعُ	الْأَمْرُ	كُلُّهُ	فَاعْبُدْهُ	وَتَوَكَّلْ
और ज़मीन का	और तरफ़ उसी के	लौटाया जाता है	मामला	सारे का सारा	पस इबादत कीजिए उसकी	और तवक्कल कीजिए

عَلَيْهِ ^ط	وَمَا	رَبُّكَ	بِغَافِلٍ	عَمَّا	تَعْمَلُونَ ¹²³
उस पर	और नहीं	रब आपका	शाफ़िल	उससे जो	तुम अमल करते हो

آيَاتُهَا: 111	سُورَةُ يُوسُفَ مَكِّيَّةٌ 53	رُكُوعَاتُهَا: 12
----------------	-------------------------------	-------------------

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

الرَّ	تِلْكَ	آيَاتُ	الْكِتَابِ الْبَيِّنِ ^ق	إِنَّا	أَنْزَلْنَاهُ
	ये	आयात हैं	वाज़ेह किताब की	बेशक हम	नाज़िल किया हमने इसे

قُرْءَانًا	عَرَبِيًّا	لَعَلَّكُمْ	تَعْقِلُونَ ²	نَحْنُ	نَقُصُّ	عَلَيْكَ
कुरआन	अरबी	ताकि तुम	तुम समझ सको	हम	हम बयान करते हैं	आप पर

أَحْسَنَ	الْقَصَصِ	بَيًّا	أَوْحَيْنَا	إِلَيْكَ	هَذَا	الْقُرْآنَ ^ط
बेहतरीन	क़िस्सों में से	इस वजह से कि	वही की हमने	तरफ़ आपके	ये	कुरआन

وَإِنْ	كُنْتَ	مِنْ قَبْلِهِ	لِمَنِ الْغَفْلِينَ ³	إِذْ	قَالَ
और बेशक	थे आप	इससे पहले	अलबत्ता बेख़बरी में से	जब	कहा

يُوسُفُ	لِأَبِيهِ	يَا بَتِ	إِنِّي	رَأَيْتُ	أَحَدَ عَشَرَ
यूसुफ़ ने	अपने वालिद से	ऐ मेरे अब्बा जान	बेशक मैं	देखा मैंने (ख़्वाब में)	ग्यारह

كُوكَبًا	وَالشَّمْسِ	وَالْقَمَرِ	رَأَيْتُهُمْ	لِي	سُجِدِينَ ⁴	قَالَ
सितारों को	और सूरज	और चांद को	देखा मैंने उन्हें	मुझे	सज्दा करते हुए	उसने कहा

يَبْنِي	لَا تَقْصُصْ	رُعْيَاكَ	عَلَى إِخْوَتِكَ	فَيَكِيدُوا	لَكَ
ऐ मेरे बेटे	ना तुम बयान करना	ख़्वाब अपना	अपने भाईयों पर	पस वो चाल चलेंगे	तेरे लिए
كَيْدًا ٥	إِنَّ الشَّيْطَانَ لِلْإِنْسَانِ	عَدُوٌّ	مُبِينٌ ٥	وَكَذَلِكَ	
एक चाल	शैतान	इंसान के लिए	दुश्मन है	खुल्लम-खुल्ला	और इसी तरह
يَجْتَبِيكَ رَبُّكَ وَيُعَلِّمُكَ	مِنْ تَأْوِيلِ	الْأَحَادِيثِ	وَيُتِمُّ		
चुन लेगा तुझे	रब तेरा	और वो सिखाएगा तुझे	हकीकत में से	बातों की	और वो पूरी कर दे
نِعْمَتَهُ عَلَيْكَ	وَعَلَى آلِ يَعْقُوبَ	كَمَا	اتَّبَعَهَا	عَلَى آبَوَيْكَ	
अपनी नेअमत को	तुझ पर	और आले याक़ूब पर	जैसा कि	उसने पूरा किया उसे	तेरे दो बापों पर
مِنْ قَبْلُ	إِبْرَاهِيمَ	وَإِسْحَاقَ ٦	إِنَّ رَبَّكَ	عَلِيمٌ	حَكِيمٌ ٦
उससे पहले	इब्राहीम	और इसहाक़ पर	बेशक	रब तेरा	बहुत इल्म वाला है
لَقَدْ كَانَ	فِي يُوسُفَ	وَإِخْوَتِهِ	أَيُّ	لِلسَّائِلِينَ ٧	إِذْ
अलबत्ता तहकीक	हैं	यूसुफ़ में	और उसके भाइयों में	निशानियां	सवाल करने वालों के लिए
قَالُوا	لِيُوسُفَ	وَإِخْوَتِهِ	أَحَبُّ	إِلَى آبَيْنَا	مِنَّا وَنَحْنُ
उन्होंने कहा	बिलाशुवा यूसुफ़	और उसका भाई	ज़्यादा प्यारे हैं	हमारे वालिद को	हमसे हालांकि हम
عُصْبَةً ٨	إِنَّ أَبَانَا	لَفِي ضَلَالٍ	مُبِينٌ ٨	أَقْتُلُوا	يُوسُفَ
एक जत्था हैं	बेशक	वालिद हमारे	अलबत्ता भूल में हैं	वाज़ेह	क़त्ल कर दो
أَوْ	أَطْرَحُوهُ	أَرْضًا	يَخْلُ	لَكُمْ	وَجْهٌ
या	फेंक दो उसे	किसी ज़मीन में	ख़ाली हो जाएगा	तुम्हारे लिए	चहरा तुम्हारे वालिद का
وَتَكُونُوا	مِنْ بَعْدِهِ	قَوْمًا	صَالِحِينَ ٩	قَائِلٌ	مِنْهُمْ
और तुम हो जाना	बाद उसके	लोग	नेक	कहा	एक कहने वाले ने उन्हीं में से

لَا تَقْتُلُوا	يُوسُفَ	وَالْقُوَّةَ	فِي غَيْبَتِ	الْجُبِّ	يَلْتَقِطُهُ
ना तुम क़त्ल करो	यूसुफ़ को	और डाल दो उसे	गहराई में	कुर्वे की	उठा लेगा उसे
بَعْضُ السَّيَّارَةِ	إِنْ	كُنْتُمْ	فَعِلَيْنَ ⑩	قَالُوا	يَا أَبَانَا
कोई	अगर	हो तुम	करने वाले	उन्होंने कहा	ऐ हमारे अब्बा जान
مَا لَكَ	لَا تَأْمَنَّا	عَلَى يُوسُفَ	وَإِنَّا	لَنُصْحُونَ ⑪	
क्या है	आपको	नहीं आप भरोसा करते हम पर	यूसुफ़ के मामले में	हालांकि बेशक हम	उसके लिए
أَرْسِلُهُ	مَعَنَا	غَدًا	يَزْتَعُ	وَيَلْعَبُ	وَإِنَّا
भेज दीजिए उसे	साथ हमारे	कल	ख़ूब खाए पिए	और खेले	और बेशक हम
لَحْفَظُونَ ⑫	قَالَ	إِنِّي	لَيَحْزُنُنِي	أَنْ	تَذْهَبُوا بِهِ
अलबत्ता हिफ़ाज़त करने वाले हैं	उसने कहा	बेशक मैं	अलबत्ता ग़मगीन करता है मुझे	कि	तुम ले जाओ
وَأَخَافُ أَنْ	يَأْكُلَهُ	الدَّيْبُ	وَأَنْتُمْ	عَنْهُ	غَفِلُونَ ⑬
और मैं डरता हूँ	कि	खा जाए उसे	भेड़िया	जबकि तुम	उससे
قَالُوا لَيْنَ	أَكْلَهُ	الدَّيْبُ	وَنَحْنُ	عُصْبَةٌ	إِنَّا
उन्होंने कहा	अलबत्ता अगर	खा जाए उसे	भेड़िया	जबकि हम	एक ज़त्था हैं
لَخُسِرُونَ ⑭	فَلَمَّا	ذَهَبُوا	بِهِ	وَاجْعُوا	أَنْ
अलबत्ता ख़सारा पाने वाले हैं	तो जब	वो ले गए	उसे	और उन्होंने तै कर लिया	कि
فِي غَيْبَتِ الْجُبِّ ⑮	وَإِذَا	وَأَوْحَيْنَا	إِلَيْهِ	لَتَنْبِئَهُمْ	بِأَمْرِهِمْ
गहराई में	कुर्वे की	और वही की हमने	तरफ़ उसके	अलबत्ता तू ज़रूर आगाह करेगा उन्हें	इनके काम के बारे में
هَذَا وَهُمْ	لَا يَشْعُرُونَ ⑮	وَجَاءُوا	أَبَاهُمْ	عِشَاءً	يَبْكُونَ ⑯
इस	जबकि वो	वो शऊर ना रखते होंगे	और वो आ गए	अपने वालिद के पास	इशा के वक़्त

قَالُوا	يَا بَنَانَا	إِنَّا	ذَهَبْنَا	نَسْتَبِقُ	وَتَرَكْنَا	يُوسُفَ
कहने लगे	ऐ हमारे अब्बा जान	बेशक हम	चले गए हम	दौड़ का मुकाबला करते हुए	और छोड़ गए हम	यूसुफ को
عِنْدَ	مَتَاعِنَا	فَاكَلَهُ	الذِّئْبُ	وَمَا	أَنْتَ	بِئْسَ
पास	अपने सामान के	फिर खा गया उसे	भेड़िया	और नहीं	आप	यक्रीन करने वाले
لَنَا	وَلَوْ كُنَّا	صَدِيقِينَ	وَجَاءُوا	عَلَى قَبِيضِهِ	بِدَمٍ	
हम पर	और अगरचे	हों हम	सच बोलने वाले	और वो लाए	उसकी कमीज़ पर	खून
كَذِبٌ	قَالَ	بَلْ	سَوَّلَتْ	لَكُمْ	أَنْفُسَكُمْ	أَمْرًا
झूठा	कहा	बल्कि	अच्छा करके दिखाया	तुम्हारे लिए	तुम्हारे नफ़्सों ने	एक काम को
جَبِيلٌ	وَاللَّهُ	الْمُسْتَعَانُ	عَلَى مَا	تَصِفُونَ	وَجَاءَتْ	
अच्छा है	और अल्लाह ही है	जिस से मदद तलब की जाती है	उस पर जो	तुम बयान कर रहे हो	और आया	
سَيَّارَةٌ	فَارْسَلُوا	وَارِدَهُمْ	فَادُلِيَ	دَلْوَةً	قَالَ	يُبْشَرِي
एक काफ़िला	तो उन्होंने भेजा	अपना पानी लाने वाला	तो उसने डाला	डोल अपना	बोला	वाह खुशख़बरी
هَذَا	عُلْمٌ	وَأَسْرُوهُ	بِضَاعَةً	وَاللَّهُ	عَلِيمٌ	بِمَا
ये तो	एक लड़का है	और उन्होंने छुपा लिया उसे	सरमाया (समझ कर)	और अल्लाह	खूब जानने वाला है	उसे जो
يَعْمَلُونَ	وَشَرُّوهُ	بِثَنٍ	بَخْسٍ	دَرَاهِمَ	مَعْدُودَةٍ	
वो अमल कर रहे थे	और उन्होंने बेच डाला उसे	कीमत पर	कम	दरहमों में	गिने-चुने	
وَكَانُوا	فِيهِ	مِنَ الزَّاهِدِينَ	وَقَالَ	الَّذِي	اشْتَرَاهُ	
और थे वो	उसमें	बेरुश्वरत लोगों में से	और कहा उस शख्स ने	जिसने	खरीदा था उसे	
مِنْ مِّصْرَ	لِامْرَأَتِهِ	أَكْرَمِي	مَثْوَاهُ	عَسَى	أَنْ	يَنْفَعَنَا
मिस्र से	अपनी बीवी को	बाइज़त कर	ठिकाना इसका	उम्मीद है	कि	वो नफ़ा देगा हमें

أَوْ	نَتَّخِذُهُ	وَلَدًا ٥	وَكَذَلِكَ	مَكَّنَّا	لِيُوسُفَ	فِي الْأَرْضِ ٦
या	हम बना लेंगे उसे	बेटा	और इसी तरह	जगह दी हमने	यूसुफ़ को	ज़मीन में
وَلِنُعَلِّمَهُ	مِنْ تَأْوِيلِ	الْأَحَادِيثِ ٧	وَاللَّهُ	غَالِبٌ	عَلَى أَمْرِهِ	
और ताकि हम सिखाएँ उसे	हकीकत में से	बातों की	और अल्लाह	ग़ालिब है	अपने काम पर	
وَلَكِنَّ	أَكْثَرَ	النَّاسِ	لَا يَعْلَمُونَ ٨	وَلَمَّا	بَلَغَ	أَشُدَّهُ
और लेकिन	अक्सर	लोग	नहीं वो इल्म रखते	और जब	वो पहुंचा	अपनी जवानी को
أَتَيْنَهُ	حُكْمًا	وَعِلْمًا ٩	وَكَذَلِكَ	نَجَزَى	الْمُحْسِنِينَ ١٠	
दिया हमने उसे	कुव्वते क़ैसला	और इल्म	और इसी तरह	हम बदला देते हैं	एहसान करने वालों को	
وَرَاوَدَتْهُ	الَّتِي	هُوَ	فِي بَيْتِهَا	عَنْ نَفْسِهِ	وَعَلَّقَتْ	
और फुसलाना चाहा उसे	उस औरत ने जो	वो (था)	घर में जिसके	उसके नफ़्स से	और उसने अच्छी तरह बंद कर लिए	
الْأَبْوَابَ	وَقَالَتْ	هَيْتَ لَكَ ١١	قَالَ	مَعَاذَ	اللَّهِ	إِنَّهُ
दरवाज़े	और वो कहने लगी	आ जाओ तुम	उसने कहा	पनाह	अल्लाह की	बेशक वो मेरा रब है
أَحْسَنَ	مَثْوَايَ ١٢	إِنَّهُ	لَا يُفْلِحُ	الظَّالِمُونَ ١٣	وَلَقَدْ	
उसने अच्छा बनाया	ठिकाना मेरा	बेशक वो	नहीं वो फ़लाह पाते	जो ज़ालिम हैं	और अलबत्ता तहकीक़	
هَمَّتْ	بِهِ ١٤	وَهُمَّ	بِهَا	لَوْلَا	أَنْ	رَأَى
उस औरत ने इरादा किया	उसका	और वो इरादा कर लेता	उसका	अगर ना(होता)	कि	वो देखता
رَبِّهِ ١٥	كَذَلِكَ	لِنَصْرِفَ	عَنْهُ	السُّوءَ	وَالْفَحْشَاءَ ١٦	إِنَّهُ
अपने रब की	इसी तरह (हुआ)	ताकि हम फेर दें	उस से	बुराई को	और बेहयाई को	बेशक वो
مِنْ عِبَادِنَا	الْمُخْلِصِينَ ١٧	وَاسْتَبَقَا	الْبَابَ	وَقَدَّتْ		
हमारे बंदों में से था	जो ख़ालिस किए हुए हैं	और वो दोनों दौड़े	दरवाज़े की तरफ़	और उस औरत ने फाड़ दी		

قَبِيصَهُ	مِنْ دُبُرٍ	وَالْفَيَا	سَيِّدَهَا	لَدَا	الْبَابِ ط	قَالَتْ
कमीज़ उसकी	पीछे से	और उन दोनों ने पाया	उसके आका को	पास	दरवाज़े के	वो कहने लगी
مَا	جَزَاءُ	مَنْ	أَرَادَ	بِأَهْلِكَ	سُوءًا	إِلَّا أَنْ يُسْجَنَ
क्या	बदला हो	उसका जो	इरादा करे	तेरी घर वाली के साथ	बुराई का	मगर
أَوْ	عَذَابٌ	أَلِيمٌ 25	قَالَ	هِيَ	رَاوَدْتَنِي	عَنْ نَفْسِي وَشَهِدَ
या	सज़ा (दिया जाए)	दर्दनाक	कहा	इसी ने	फिसलाना चाहा मुझे	मेरे नफ़्स से
شَهِدٌ	مِّنْ أَهْلِهَا ه	إِنْ	كَانَ	قَبِيصَهُ	قَدْ	مِنْ قَبْلِ
एक गवाह ने	उस (औरत) के घर वालों में से	अगर	है	कमीज़ उसकी	फाड़ी गई	सामने से
فَصَدَقَتْ	وَهُوَ	مِنَ الْكَذِبِينَ 26	وَإِنْ	كَانَ	قَبِيصَهُ	قَدْ
तो वो सच्ची है	और वो	झूठों में से है	और अगर	है	कमीज़ उसकी	फाड़ी गई
مِنْ دُبُرٍ	فَكَذَبَتْ	وَهُوَ	مِنَ الصّٰدِقِينَ 27	فَلَبَّأَ	رَأَى	
पीछे से	तो वो झूठी है	और वो	सच्चों में से है	तो जब	उसने देखा	
قَبِيصَهُ	قَدْ	مِنْ دُبُرٍ	قَالَ	إِنَّهُ	مِنْ كَيْدِكُنَّ ط	إِنَّ
उसकी कमीज़ को	फाड़ी गई है	पीछे से	उसने कहा	बेशक ये	तुम्हारी चाल में से है	बेशक
كَيْدِكُنَّ	عَظِيمٌ 28	يُوسُفُ	أَعْرَضُ	عَنْ هَذَا سَكَنَةً	وَاسْتَغْفِرُنِي	
चाल तुम औरतों की	बहुत बड़ी हैं	ऐ यूसुफ़	दरगुज़र करो	इस से	और (ए औरत) तू बख़्शिश मांग	
لِذُنُوبِكَ ط	إِنَّكَ	كُنْتَ	مِنَ الْخٰطِئِينَ 29	وَقَالَ	نِسْوَةٌ	فِي الْمَدِينَةِ
अपने गुनाह की	बेशक तू	है तू	ख़ताकारों में से	और कहा	औरतों ने	शहर में
أَمْرَاتُ	الْعَزِيزِ	تُرَاوِدُ	فَتَهَا	عَنْ نَفْسِهِ ه	قَدْ	شَغَفَهَا
औरत	अज़ीज़ की	वो फिसलाती है	अपने गुलाम को	उसके नफ़्स से	तहक़ीक़	वो उसके दिल में दाख़िल हो गया है

حُبًّا ط	إِنَّا	لَنَرَاهَا	فِي ضَلَالٍ	مُبِينٍ 30	فَلَمَّا	سَبَعَتْ
मोहब्बत की रु से	बेशक हम	अलबत्ता हम देखती हैं उसे	गुमराही में	खुली-खुली	तो जब	उसने सुना
بِكُرْهِنَّ	أَرْسَلْتُ	إِلَيْهِنَّ	وَأَعَدَّتْ	لَهُنَّ	مَّتْكَأ	
मकर उन औरतों का	उसने भेजा	उनकी तरफ़ (दावत नामा)	और तैयार कीं	उनके लिए	मसनदें	
وَأَتَتْ	كُلَّ	وَاحِدَةٍ	مِنْهُنَّ	سَكِينًا	وَقَالَتْ	أَخْرُجْ
और दी	हर	एक औरत को	उनमें से	एक छुरी	और कहने लगी	निकल आ
عَلَيْهِنَّ ج	فَلَمَّا	رَأَيْنَهُ	أَكْبَرْنَهُ	وَقَطَّعْنَ	أَيْدِيَهُنَّ	
उन पर	तो जब	उन औरतों ने देखा उसे	मरऊब हो गई उससे	और काट लिए	हाथ अपने	
وَقُلْنَ	حَاشَ لِلَّهِ	مَا	هَذَا	بَشَرًا ط	إِنْ	هَذَا
और वो कहने लगीं	हाशा लिल्लाही	नहीं है	ये	कोई इंसान	नहीं है	ये
مَلَكٌ	كَرِيمٌ 31	قَالَتْ	فَذَلِكُنَّ	الَّذِي	لُبَّتْنِي	فِيهِ ط
फरिश्ता	मुअज़्ज़िज़	कहने लगी	तो ये है	वो शख्स जो	तुम मलामत करती हो मुझे	जिस (के बारे) में
وَلَقَدْ	رَاوَدْتُهُ	عَنْ نَفْسِهِ	فَاسْتَعْصَمَ ط	وَلَيْنٌ	لَمْ	
और अलबत्ता तहक़ीक़	मैंने फिसलाना चाहा उसे	उसके नफ़्स के बारे में	पस वो बच निकला	और अलबत्ता अगर	ना	
يَفْعَلُ	مَا	أَمْرُهُ	لَيُسْجَنَنَّ	وَلَيَكُونَا	مِّنَ الصَّغِيرِينَ 32	
उसने किया	जो	मैं हुक़्म देती हूँ उसे	अलबत्ता वह ज़रूर कैद किया जाएगा	और अलबत्ता वह हो जाएगा	ज़लील होने वालों में से	
قَالَ	رَبِّ	السَّجْنِ	أَحَبُّ	إِلَيَّ	مِمَّا	يَدْعُونَنِي
उसने कहा	ऐ मेरे रब	कैदख़ाना	ज़्यादा महबूब है	मुझे	उससे जो	वो बुलाती हैं मुझे
إِلَيْهِ ج	وَالَا	تَصْرِفُ	عَنِّي	كَيْدَهُنَّ	أَصْبُ	إِلَيْهِنَّ
तरफ़ जिसके	और अगर नहीं	तू फेरेंगा	मुझसे	चाल उनकी	मैं मायल हो जाऊंगा	तरफ़ उनके

وَ أَكُنْ	مِّنَ الْجَاهِلِينَ ③③	فَاسْتَجَابَ لَهُ	رَبُّهُ	فَصَرَفَ
और मैं हो जाऊंगा	जाहिलों में से	पस (दुआ) कुबूल कर ली	उसकी	उसके रब ने
عَنْهُ	كَيْدَهُنَّ ٥	إِنَّهُ	هُوَ	السَّبِيْعُ
उससे	चाल उन औरतों की	बेशक वो	वो ही है	खूब सुनने वाला
الْعَلِيمُ ③④	ثُمَّ	بَدَا	لَهُم	مِّنْ بَعْدِ مَا
खूब जानने वाला	फिर	ज़ाहिर हो गया	उनके लिए	बाद इसके
الْأَيِّتِ	لَيْسَ جُنَّتَهُ	رَأَوْا	مَعَهُ	السَّجْنَ
निशानियां	अलबत्ता वो ज़रूर कैद कर दें उसे	उन्होंने देखीं	साथ उसके	कैदखाने में
حَتَّىٰ حِينٍ ③⑤	وَدَخَلَ	مَعَهُ	السَّجْنَ	فَتَيْنِ ٥
एक वक़्त तक	और दाख़िल हुए	साथ उसके	कैदखाने में	दो जवान
أَحَدُهُمَا	إِنِّي	أَرِنِي	أَعْصِرُ	خَمْرًا
उन दोनों में से एक ने	बेशक मैं	मैं देखता हूं खुद को	मैं निचोड़ रहा हूं	शराब
إِنِّي	أَرِنِي	أَحِدُ	فَوْقَ رَأْسِي	خُبْرًا
बेशक मैं	मैं देखता हूं खुद को	मैं उठाए हुए हूं	अपने सर के ऊपर	रोटी
مِنْهُ ٥	نَبِّئْنَا	بِتَأْوِيلِهِ ٥	إِنَّا	نَرَاكَ
उससे	बताओ हमें	ताबीर इसकी	बेशक हम	हम देखते हैं तुझे
قَالَ	لَا يَأْتِيَكُمَا	طَعَامٌ	تُرْزَقُنِيهِ	إِلَّا
उसने कहा	नहीं आएगा तुम दोनों के पास	खाना	तुम दोनों दिए जाते हो उसे	मगर
بِتَأْوِيلِهِ	قَبْلَ	أَنْ	يَأْتِيَكُمَا ٥	ذِكْمَا
ताबीर उसकी	इससे पहले	कि	वो आए तुम दोनों के पास	ये
رَبِّي ٥	إِنِّي	تَرَكْتُ	مِلَّةَ	قَوْمٍ
मेरे रब ने	बेशक मैं	छोड़ दिया मैंने	दीन	उन लोगों का
بِاللَّهِ	لَا يُؤْمِنُونَ	بِاللَّهِ	بِاللَّهِ	بِاللَّهِ
अल्लाह पर	जो नहीं ईमान रखते	उन लोगों का	दीन	छोड़ दिया मैंने

وَهُمْ بِالْآخِرَةِ هُمْ	كَفَرُونَ 37	وَاتَّبَعْتُ	مِلَّةَ	آبَائِي			
और वो	वो ही	कुफ़्र करने वाले हैं	और मैं ने पैरवी की	दीन की	अपने आबा ओ अजदाद के		
إِبْرَاهِيمَ	وَإِسْحَاقَ	وَيَعْقُوبَ ط	مَا	كَانَ	لَنَا	أَنْ	
इब्राहीम	और इसहाक	और याकूब के	नहीं	है	हमारे लिए	कि	
نُشْرِكَ	بِاللَّهِ	مِنْ شَيْءٍ ط	ذَلِكَ	مِنْ فَضْلِ	اللَّهِ		
हम शरीक ठहराएँ	साथ अल्लाह के	किसी चीज़ को	ये	फ़ज़ल में से है	अल्लाह के		
عَلَيْنَا	وَعَلَى النَّاسِ	وَلَكِنَّ	أَكْثَرَ	النَّاسِ	لَا يَشْكُرُونَ 38		
हम पर	और लोगों पर	और लेकिन	अक्सर	लोग	वो शुक्र अदा नहीं करते		
يُصَاحِبِي	السِّجْنِ	ءَارِبَابُ	مُتَفَرِّقُونَ	خَيْرُ	أَمِ	اللَّهُ	
ऐ मेरे दो साथियो	कैद खाने के	क्या बहुत से रब	मुतफ़र्रिक/जुदा-जुदा	बेहतर हैं	या	अल्लाह	
الْوَاحِدُ	الْقَهَّارُ 39	مَا	تَعْبُدُونَ	مِنْ دُونِهِ	إِلَّا	أَسْبَاءَ	
जो एक है	बहुत ज़बरदस्त है	नहीं	तुम इबादत करते	उसके सिवा	मगर	चंद नामों की	
سَيِّئَتُهُمَا	أَنْتُمْ	وَأَبَاؤُكُمْ	مَا	أَنْزَلَ	اللَّهُ	بِهَا	
नाम रख लिए तुमने उनके	तुमने	और तुम्हारे आबा ओ अजदाद ने	नहीं	उतारी	अल्लाह ने	उनकी	
مِنْ سُلْطٰنٍ ط	إِنْ	الْحُكْمُ	إِلَّا	بِاللَّهِ ط	أَمَرَ	أَلَّا	تَعْبُدُوا
कोई दलील	नहीं	हुकम	मगर	अल्लाह ही के लिए	उसने हुकम दिया है	कि ना	तुम इबादत करो
إِلَّا	إِيَّاهُ ط	ذَلِكَ	الدِّينُ	الْقَيِّمُ	وَلَكِنَّ	أَكْثَرَ	النَّاسِ
मगर	सिर्फ़ उसी की	ये है	दीन	दुरुस्त	और लेकिन	अक्सर	लोग
لَا يَعْلَمُونَ 40	يُصَاحِبِي	السِّجْنِ	أَمَّا	أَحَدُكُمَا	فَيَسْقِي		
नहीं वो जानते	ऐ मेरे दो साथियों	कैदखाने के	रहा	तुम दोनों में से एक	पस वो पिलाएगा		

رَبِّهِ	خَمْرًا ٥	وَأَمَّا	الْآخَرُ	فَيُصَلَّبُ	فَتَأْكُلُ	الطَّيْرُ
अपने आका को	शराब	और रहा	दूसरा	पस वो सूली चढ़ाया जाएगा	तो खाएंगे	परिदे
مِنْ رَأْسِهِ ٦	قُضِيَ	الْأَمْرُ	الَّذِي	فِيهِ	تَسْتَفْتَيْنِ ٤١	
उसके सर से	फैसला कर दिया गया	मामले का	वो जो	जिस (के बारे) में	तुम दोनों पूछते हो	
وَقَالَ	لِلَّذِي	ظَنَّ	أَنَّهُ	نَاجٍ	مِنْهُمَا	اذْكُرْنِي
और कहा	उसे जिसका	उसे यकीन था	कि बेशक वो	निजात पाने वाला है	उन दोनों में से	ज़िक्र करना मेरा
عِنْدَ	رَبِّكَ ٧	فَأَنسَاهُ	الشَّيْطَانُ	ذَكَرَ	رَبِّهِ	فَلَبِثَ
पास	अपने आका के	तो भुला दिया उसे	शैतान ने	ज़िक्र करना	अपने आका से	तो वो ठहरा रहा
فِي السِّجْنِ	بِضْعٍ	سِنِينَ ٤٢	وَقَالَ	الْمَلِكُ	إِنِّي	أَرَى
कैद खाने में	चंद	साल	और कहा	बादशाह ने	बेशक मैं	मैं देखता हूँ
سَبْعَ	بَقَرَاتٍ	سَبَانٍ	يَأْكُلُهُنَّ	سَبْعَ	عِجَافٍ	وَسَبْعَ
सात	गायें	मोटी	खा रही हैं उन्हें	सात	दुबली	और सात
سُئِلَتْ	خُضِرٌ	وَأُخْرَ	يُبْسِتُ ٨	يَأْيُهَا الْبَلَاءُ	أَفْتُونِي	
बालियां	सरसब्ज	और दूसरी	खुश्क	ऐ सरदारो	जवाब दो मुझे	
فِي رُءْيَايَ	إِنْ	كُنْتُمْ	لِلرُّءْيَا	تَعْبُرُونَ ٤٣	قَالُوا	أَضْغَاثُ
मेरे ख्वाब के बारे में	अगर	हो तुम	ख्वाब की	तुम ताबीर करते	उन्होंने कहा	परेशान
أَحْلَامٍ ٩	وَمَا	نَحْنُ	بِتَأْوِيلِ	الْأَحْلَامِ	بِعَلَمِينَ ٤٤	وَقَالَ
ख्वाब है	और नहीं	हम	ताबीर को	ख्वाबों की	जानने वाले	और कहा
الَّذِي	نَجَا	مِنْهُمَا	وَأَذَكَرَ	بَعْدَ	أُمَّةٍ	أَنَا
उस शख्स ने जो	निजात पा गया था	उन दोनों में से	और उसे याद आ गया	बाद	एक मुद्दत के	मैं
						बताता हूँ तुम्हें

بِتَأْوِيلِهِ	فَارْسِلُونِ 45	يُوسُفُ	أَيُّهَا الصِّدِّيقُ	أَفْتِنَا			
ताबीर इसकी	पस भेजो मुझे	यूसुफ़	ऐ बहुत सच्चे	बताओ हमें			
فِي سَبْعِ بَقَرَاتٍ	سِهَانٍ	يَأْكُلُهُنَّ	سَبْعُ	عِجَافٌ	وَسَبْعُ		
सात गायों के बारे में	मोटी	खा रही हैं उन्हें	सात	दुबली	और सात		
سُنْبُلَاتٍ	خُضِرٍ	وَأُخَرَ	يُبْسِتِ ٥	لَعَلِّي	أَرْجِعُ	إِلَى النَّاسِ	
बालियां	सरसब्ज़	और दूसरी	खुश्क	ताकि मैं	मैं लौटूं	तरफ़ लोगों के	
لَعَلَّهُمْ	يَعْلَمُونَ 46	قَالَ	تَزْرَعُونَ	سَبْعَ	سِنِينَ	دَابَّاهُ	
शायद कि वो	वो जान लें	उसने कहा	तुम खेती-बाड़ी करोगे	सात	साल	मुतावातिर	
فَمَا	حَصَدْتُمْ	فَذَرُوهُ	فِي سُنْبُلِهِ	إِلَّا	قَلِيلًا	مِمَّا	
पस जो	काट लो तुम	तो छोड़ देना उसे	उसकी बाली में	मगर	थोड़ा	उसमें से जो	
تَأْكُلُونَ 47	ثُمَّ	يَأْتِي	مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ	سَبْعُ	شِدَادُ	يَأْكُلْنَ	
तुम खाओ	फिर	आएंगे	बाद इसके	सात (साल)	सख्त	खा जाएंगे	
مَا	قَدَّمْتُمْ	لَهُنَّ	إِلَّا	قَلِيلًا	مِمَّا	تُحْصُونَ 48	ثُمَّ
जो	पहले रखा तुमने	उनके लिए	मगर	थोड़ा	उसमें से जो	तुम महफूज़ रखोगे	फिर
يَأْتِي	مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ	عَامٌ	فِيهِ	يُغَاثُ	النَّاسُ	وَفِيهِ	
आएगा	बाद उसके	एक साल	जिसमें	बारिश दिए जाएंगे	लोग	और उसमें	
يَعْصِرُونَ 49	وَقَالَ	الْمَلِكُ	اِئْتُونِي	بِهِ ٥	فَلَمَّا	جَاءَهُ	
वो रस निचोड़ेंगे	और कहा	बादशाह ने	लाओ मेरे पास	उसे	तो जब	आया उसके पास	
الرَّسُولُ	قَالَ	أَرْجِعْ	إِلَى رَبِّكَ	فَسَأَلُهُ	مَا	بَالُ	النِّسْوَةِ
पैग़ाम लाने वाला	कहा (यूसुफ़ ने)	वापस जाओ	तरफ़ अपने आका के	फिर उससे पूछो	क्या	हाल है	उन औरतों का

الَّتِي	قَطَّعْنَ	أَيْدِيَهُنَّ ^ط	إِنَّ	رَبِّي	بِكَيْدِهِنَّ	عَلَيْمٌ ⁽⁵⁰⁾
जिन्होंने	काट लिए थे	हाथ अपने	बेशक	रब मेरा	उनकी चाल से	खूब वाकिफ़ है
قَالَ	مَا	خَطْبُكَ	إِذْ	رَاوَدْتُنِ	يُوسُفَ	عَنْ نَفْسِهِ ^ط
कहा (बादशाह ने)	क्या	मामला है तुम्हारा	जब	तुमने फिसलाना चाहा था	यूसुफ़ को	उसके नफ़्स से
قُلْنَ	حَاشَ لِلَّهِ	مَا	عَلَيْنَا	عَلَيْهِ	مِنْ سُوءٍ ^ط	قَالَتْ امْرَأَتُ
कहने लगीं	हाशा लिल्लाही	नहीं	जाना हमने	उस पर	किसी बुराई को	कहने लगी
الْعَزِيزِ	الْعَنَ	حُصَّصَ	الْحَقُّ	أَنَا	رَاوَدْتُهُ	عَنْ نَفْسِهِ
अज़ीज़ की	अब	ज़ाहिर हो गया	हक़	मैंने	फिसलाया था मैंने उसे	उसके नफ़्स से
وَإِنَّهُ	لَمِنَ الصّٰدِقِیْنَ ⁽⁵¹⁾	ذٰلِكَ	لَيَعْلَمَ	أَنِّیْ	لَمْ أَخْنَهُ	
और बेशक वो	अलबत्ता सच्चों में से है	ये	ताकि वो जान ले	बेशक मैं	नहीं ख़्यानत की मैंने उसकी	
بِالْغَيْبِ	وَ أَنَّ	اللّٰهَ	لَا يَهْدِيْ	كَيْدَ	الْخَآئِنِيْنَ ⁽⁵²⁾	
गायबाना	और बेशक	अल्लाह	नहीं वो राह दिखाता	मकर को	ख़्यानत करने वालों के	